● जयपुर, बुधवार, 21 अगस्त 24 ● वर्ष 14 ● अंक 6 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com
डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये कदम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

पेज @3 शाहपुरा में जन पोषण केन्द्र का हुआ उद्घाटन...
पेज @4 तेजी से निर्माण कार्य पूरा करने का दिया निर्देश...
पेज @8 स्व. राजीव गाँधी राजनैतिक नुकसान की परवाह किये ...

भाजपा के ऊर्जावान कार्यकर्ता ही भाजपा की ताकत, कार्यकर्ताओं के परिश्रम के चलते भाजपा बनी विश्व की सबसे बड़ी पार्टीः भजनलाल शर्मा

बांग्लादेश जैसे विकराल, विपरीत और अराजकता वाली स्थिति बनाना चाहते है विपक्षी दल : मदन राठौड़

ऐसे अभियान आने वाले समय में पार्टी की मजबूती का आधार बनेगें: दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर 20 अगस्त 2024। भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री, राज्यसभा सांसद और प्रदेश प्रभारी डॉ राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि भाजपा किसी परिवार या व्यक्ति विशेष या फिर नेता आधारित पार्टी नहीं है, यह तो विचारधारा और कार्यकर्ता आधारित वो पार्टी है जहां हर कार्यकर्ता का सम्मान, उसको परिवार का भाव और आत्मीयता का अहसास कराया जाता है। ऐसे में भाजपा की सदस्यता अभियान किसी व्यक्ति को जोड़ने तक सीमित नहीं है, यह अभियान विचारधारा आधारित कार्यकर्ताओं को अपना बनाने का अभियान है। भाजपा ने आज तक अपने विचारों से समझौता नहीं किया, इसीलिए आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रित पार्टी के रूप में खड़ी है।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ राधामोहन दास अग्रवाल ने महाराणा प्रताप के साहस, महाराज सूरजमल के शौर्य, भामाशाह के समर्पण, पन्नाधाय के बलिदान, मीरा की भक्ति के साथ पर्यावरण प्रेमी अमृतादेवी विश्नोई की इस पावन धरा को नमन करते हुए कहा कि देशभर में 1500 से अधिक राजनैतिक दलों में से भारतीय जनता पार्टी विचार आधारित पार्टी है। पार्टी ने कभी विचारों से समझौता नहीं किया। इस पार्टी में संगठन से उपर कोई नहीं है। इस लिए कार्यशाला में अनुपस्थित रहने वाले सांसद, विधायक, मंत्री, पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष सहित तमाम अपेक्षित लोगों से नहीं आने का कारण पूछा जाएगा। भाजपा ने जनसंघ की स्थापना से लेकर आज तक करीबन 44 साल के इतिहास में कभी अपनी विचारधारा को नहीं बदला। इस पार्टी को जिसने छोड़ा उसने या तो पश्चाताप किया या फिर संगठन में आकर फिर से जुड़ गए। डॉ अग्रवाल ने सदस्यता अभियान में प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की योजनाओं का जिक्र किया और राजे द्वारा राजस्थान को दी गई भामाशाह योजना की खुले मन से तारिफ की। वहीं दूसरी ओर संगठन की भट्टी में तप कर निकलने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा ने शपथ लेने के साथ ही अपने नेक ईरादे जाहिर कर दिए। एक ओर मुख्यमंत्री ने राजस्थान से गुंडागर्दी पर नकेल कसने का कार्य किया तो दूसरी ओर युवाओं से जुड़ी पेपरलीक जैसे गंभीर मुद्दे पर एसआईटी गठित कर अपनी मंशा साफ कर दी।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ राधामोहन दास अग्रवाल ने विपक्ष के आलाकमान पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के नेता एक ओर हिन्दू होने का दावा करते है वहीं दूसरी ओर रक्षा बंधन नहीं मनाते लेकिन रक्षा बंधन की शुभकामनाएं देते है। इन्होंने देशवासियों को मुर्ख बनाने का कार्य किया है। वे देशवासियों से छिपा रहे है कि वे ईसााई है, दतात्रेय ब्राह्मण बताते है और इनके दादा पारसी थे, पिता अर्द्ध पारसी और माता ईसाई है तो इसे स्वीकार करना चाहिए। लेकिन देश के 142 करोड़ देशवासियों को विशेषकर कांग्रेसियों को ये मुर्ख बना रहे है।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने सदस्यता अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए अतिथियों का अभिनंदन किया। राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा पिछली बार से अधिक सदस्य बनाए जाएंगे। केंद्र की ओर से प्रत्येक बूथ को 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है हमें इससे अधिक ही बनाने है। आज पड़ौसी देश में जो विकराल, विपरीत और अराजकता वाली स्थिति बनी है वैसे ही हालात कुछ विपक्षी ताकते भारत और राजस्थान में बनाना चाहते है लेकिन भाजपा और भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा विपक्षी दलों के मंसूबों को कामियाब नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए भाजपा की विचारधारा वाले सक्रिय कार्यकर्ताओं को जोड़ने की आवशयकता है। भाजपा के कार्यकर्ताओं की मेहनत का ही परिणाम है कि केंद्र में तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तथा राजस्थान में भाजपा की सरकार बनी है। अब हमें केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए घर घर जाकर संपर्क करना होगा।

भाजपा का सदस्यता अभियान इस कार्य योजना की शुरूआत है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के ऊर्जावान कार्यकर्ता ही भाजपा की ताकत और रीढ़ की हड्डी है। भाजपा के कार्यकर्ताओं के परिश्रम की पराकाष्ठा की बदौलत आज ये विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। एक समय था जब देश तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार की दिशा में जा रहा था, लेकिन इसके बाद वो दौर शुरू हुआ जब जनसंघ की स्थापना हुई और देशवासियों ने जनसंघ की विचारधारा पर विश्वास जताकर देश को एक नई दिशा प्रदान की। भाजपा के सदस्यता अभियान में आज प्रदेश स्तरीय कार्यशाला की जा रही है। इसके बाद जिला, मंडल और बूथ स्तर पर चरणबद्ध तरीके से कार्यशाला की जाएगी और सदस्य बनाने के अभियान की शुरूआत की जाएगी।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि ऐसे अभियान न केवल रणनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं, बल्कि संगठन के नए विचारों और ऊर्जा को समाहित करने का अवसर भी प्रदान करते हैं, जो आने वाले समय में पार्टी की मजबूती का आधार बनेंगे।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने पीपीटी के माध्यम से अभियान की रूपरेखा बताई। डॉ चतुर्वेदी ने कार्यक्रम के बाद प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 सितंबर को सदस्य बनकर इस अभियान का आगाज करेंगे। इसके बाद 2 व 3 सितंबर तक राज्यों में मुख्यमंत्रियों को सदस्य बनाया जाएगा और 4 से 5 सितंबर के दौरान जिलों में इस अभियान की शुरूआत की जाएगी। सदस्यता अभियान को लेकर 17 अगस्त को जहां राष्ट्रीय पदाधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की गई थी, वहीं 19 से 21 अगस्त को राज्यों में, 22 से 24 अगस्त तक जिलों में, 25 से 27 अगस्त तक मंडल में और 31 अगस्त को प्रदेश के सभी बूथों पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। वहीं दूसरी ओर भाजपा के प्रत्येक शक्ति केंद्रों पर एक सदस्यता सहयोगी बनाया जाएगा। सदस्यता अभियान के पहले चरण के बाद समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद 1 अक्टूबर से दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। भाजपा के सदस्यता अभियान से जुड़ने के लिए पार्टी की ओर से 88 00 00 2024 नंबर जारी किए गए है। इन नंबरों पर मिस्ड कॉल कर प्राप्त लिंक पर अपनी जानकारी भरकर सदस्यता नंबर प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा क्यूआर कोड और वेबसाइड पर जाकर भी सदस्यता ली जा सकती है।

सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि अभियान के तहत भाजपा के संविधान, संकल्प, मूल दर्शन और पंच निष्ठाओं में विश्वास करने वाले व्यक्ति को ही सदस्य बनाया जाएगा। एक फोन से एक व्यक्ति का पंजीयन किया जाएगा। ऑनलाइन के साथ इस बार फॉर्म की भी सुविधा रहेगी जिसके पास ऑनलाइन सुविधा नहीं है वो ऑफलाइन फार्म भरकर भी भाजपा से जुड़ सकते है। हमारा लक्ष्य सर्व व्यापी, सर्व स्पर्शी और राष्ट्र निर्माण की प्रतिज्ञा को पूरा करना है।

भाजपा की प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल का परिचय दिया। कार्यक्रम में मंच संचालन भीलवाडा सांसद एवं प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल ने किया। इस दौरान मंच पर केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, भागीरथ चौधरी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी और डॉ प्रेमचंद बैरवा उपस्थित रहे। कार्यशाला में भाजपा के सांसद, मंत्री, विधायक, भाजपा पदाधिकारी, भाजपा मोर्चा, प्रकोष्ठ, विभागों के प्रदेश अध्यक्ष, संयोजक एवं सह संयोजक, जिला अध्यक्ष-जिला प्रभारी, जिला महामंत्री, प्रधान-उपप्रधान, निगम-बोर्ड के अध्यक्ष उपस्थित थे।

राजस्थान से भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू ने कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाक़ात

रवनीत सिंह बिट्टू की जीत लगभग तय, कांग्रेस नहीं उतारेगी उम्मीदवार

चमकता राजस्थान

जयपुर। देश के चुनाव आयोग ने 12 राज्यसभा सीटों पर चुनाव की तारीखों का ऐलान करने के बाद अब नामांकन में सिर्फ एक दिन बचा है जहां राजस्थान की एक सीट पर भी नया राज्यसभा सदस्य चुना जाना है. कांग्रेस से राजस्थान के राज्यसभा सदस्य केसी वेणुगोपाल के लोकसभा सांसद बन जाने के बाद उनकी सीट खाली हो गई है लेकिन प्रदेश में विधायकों के गणित के हिसाब से इस बार ये सीट बीजेपी के पाले में जाना तय लग रहा है जहां बीजेपी के राज्य में 100 से ऊपर विधायक हैं.आज भारतीय जनता पार्टी द्वारा घोषित की गई उम्मीदवारों की लिस्ट में रवनीत सिंह बिट्टू को राजस्थान से बीजेपी के राज्यसभा प्रत्याशी घोषित किया है!

उम्मीदवारी की घोषणा के बाद मंगलवार शाम भाजपा प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित अन्य नेताओं से मुलाक़ात की !

इधर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक बयान जारी कर बताया कि कांग्रेस इस चुनाव में अपना प्रत्याशी नहीं उतारेगी उन्हें संविधान और लोकतंत्र में विश्वास है इससे ये क़यास लगाया जा रहा है कि कांग्रेस प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू की जीत लगभग तय है !

रवनीत सिंह बिट्टू पंजाब के दिवंगत मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं। बिट्टू का जन्म 10 सितंबर, 1975 को हुआ। ये लुधियाना जिले के पायल विधानसभा क्षेत्र के कोटला अफगाना गांव के मूल निवासी हैं। बिट्टू का परिवार कांग्रेसी रहा है। इनके चाचा तेज प्रकाश सिंह पूर्व कैबिनेट मंत्री थे और उनके चचेरे भाई गुरकीरत कोटली दो बार विधायक और कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। हाल ही संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में ये भाजपा में शामिल हुए।

सीमेंट यूनिट से सियासत तक का सफर

राजनीति में आने से पहले बिट्टू एक छोटी सी सीमेंट प्रोडक्शन यूनिट चलाते थे। वर्ष 2007 में राहुल गांधी से मुलाकात के बाद बिट्टू राजनीति में आए। एक साल के भीतर ही वर्ष 2008 में इन्हें पंजाब युवा कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। बिट्टू पहले 2009 में आनंदपुर साहिब से और फिर 2014 और 2019 में कांग्रेस के टिकट पर लुधियाना से लोकसभा सांसद चुने गए थे।

कांग्रेस से सांसद बनते आए, भाजपा में आए और लोकसभा चुनाव हार गए

रवनीत सिंह बिट्टू सबसे पहले 2009 में कांग्रेस के सिम्बल पर पंजाब में लोकसभा चुनाव लड़े और जीते। इसके बाद वे लगातार जीतते रहे। बिट्टू को कांग्रेस ने लोकसभा में अपना नेता भी बनाया था। 2024 के चुनाव से पहले रवनीत सिंह बिट्टू भाजपा में शामिल हो गए। लुधियाना से भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी बनाया, लेकिन बिट्टू चुनाव हार गए। चुनाव हारने के बाद भी उन्हें केन्द्र की एनडीए सरकार में मंत्री बनाया गया। उन्हें राज्यमंत्री की शपथ दिलवाई गई। बिट्टू वर्तमान में रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के राज्यमंत्री हैं।

दुनिया में एमपॉक्स के मामले बढने पर भारत में अलर्ट

हवाई अड्डों-बंदरगाहों पर चौकसी तेज

नईदिल्ली/एजेंसी।

पाकिस्तान समेत दुनिया के कई देशों में एमपॉक्स वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत अलर्ट हो गया है। केंद्र सरकार ने हवाई अड्डों, बंदरगाहों और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी है।सरकार ने जिम्मेदार प्राधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर इस रोग के संभावित लक्षणों की बारीकी से निगरानी करने को कहा है।साथ ही भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी इसके मामले सामने आने के बाद सीमाओं पर सतर्क रहने को कहा गया है। दिल्ली में 3 सरकारी अस्पतालों को एमपॉक्स रोगियों के इलाज, प्रबंधन और बीमारी को फैलने से रोकने के लिए क्वारंटीन सेंटर के रूप में नामित किया गया है।यहां के राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल और लेडी हार्डिंग अस्पताल में इस वायरस से जुड़े रोगियों को रखा जाएगा।केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को संभावित एमपॉक्स मामलों के लिए अपने अस्पतालों को तैयार करने और उन्हें नोडल केंद्र के रूप में घोषित करने का भी निर्देश दिया है। एमपॉक्स एक संक्रमित बीमारी है, जो लोगों के निकट संपर्क से फैलता है। इसमें व्यक्ति को फ्लू जैसे लक्षण होते हैं और शरीर पर मवाद से भरे दानें दिखाई देते हैं।वायरस का नया वैरिएंट, क्लेड आईबी मिला है, जो यौन संचारण सहित निकट संपर्क से आसानी से फैलता है।

अंधा कानून गूंगा सिस्टम और बहरा लोकतंत्र!

आप को यह व्याख्या कड़वी लग सकती है लेकिन इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में जितना अन्याय लोक के साथ किया जा रहा है उसे शब्दों में व्यक्त कर पाना संभव नहीं है। यहां कानून अंधा है जिसे साक्ष्य देखने के लिए महाभारत का संजय चाहिए जो शब्द बा शब्द घटना बयान करे क्योंकि कानून का तराजू व्यवस्था के धृतराष्ट्र के हाथों में सौंप दिया गया है और भीष्म पितामह लोकतंत्र की इस असफल व नाकाम व्यवस्था को बनाए रखने के लिए दुर्योधन और दुशासन के समक्ष आत्मसमर्पण की मुद्रा में घुटने टेक कर खड़े हैं। समूचे देश में इन दिनों कोलकाता के मेडिकल कालेज में युवती डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी व बर्बरता को लेकर आक्रोश गहरा रहा है।

दरअसल देश में महिला उत्पीड़न दोष कानूनों में नहीं, उन्हें लागू करने वाले सिस्टम में है। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण व शर्मनाक है कि ऋषि–मुनियों की सत्य सनातन परम्परा वाले हमारे देश में महिलाओं का शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न लगातार जारी है। जब तक कोई इतनी गंभीर और जघन्य हिंसक घटना न हो जाए जिसमें किसी पीड़िता की नृशंसता से हत्या न हो जाए तब तक लोगों का ध्यान उस घटना की ओर नहीं जाता।अभी हाल ही में कथित कानून के राज वाले राज्यों में भी पुलिस अधिकारियों और सत्ताधीशों के दरवाजे पर कई महिलाओं युवतियों ने जहर खाकर तो कभी पैट्रोल छिड़क कर आत्मदाह कर लिया है। क्या कोई युवती बेवजह अपनी जान देगी? क्या आत्मदाह या जहर खाकर आत्महत्या करना हंसी मजाक है? लेकिन जब अंधी व्यवस्था में अपने ऊपर बीते जुल्म की कोई सुनवाई नहीं होती है तब कोई युवती या महिला बहरे तंत्र की नींद तोड़ने के लिए ऐसा कदम उठाने को मजबूर होती है।

एक बात यह भी है कि इस तरह की अमानवीय घटनाओं के मामले में राजनीतिक फायदे के लिए आरोप–प्रत्यारोप का सिलसिला हमेशा जारी रहता है। आरोपियों को बचाने के लिए किसी तरह से मामला लटकाने की कोशिश की जाती है। इस का परिणाम यह होता है कि सबूत गायब हो जाते हैं और मामले कमजोर पड़ जाते हैं।आखिर हमारे समाज में यौन अत्याचार और हिंसा की इतनी अधिक दुर्भावना आई कहां से? क्यों ऐसा है कि एक छोटी बच्ची से लेकर बड़ी आयु की महिला तक के साथ इस प्रकार की दरिंदगी की जा रही है। इसका कारण यह है कि हमारा समाज पितृ प्रधान है। इसमें पुरुष जो चाहते हैं वही होता है। कामकाजी महिलाओं के बारे में हमारे समाज में यही समझा जाता है कि वे 2–4 वर्ष काम करने के बाद शादी करके घर पर बैठ जाएंगी। एक बंधी बंधाई विचारधारा सी बन गई है जिसमें हमारा समाज महिलाओं को समानता का अधिकार नहीं देना चाहता। हमारी पितृसत्ता की परम्परा ही इस के लिए दोषी है महिलाओं का शोषण घर से ही शुरू होता है। पढ़ाई–लिखाई, अधिक स्वतंत्रता तो दूर की बात है अपने शरीर, समय और विरासत पर भी कोई अधिकार समाज उसे नहीं देना चाहता।इस तरह के हालात में उचित रूप से यह पूछा जा सकता है कि इस समय कोलकाता के सरकारी कालेज में बलात्कार की शिकार डाक्टर युवती के पक्ष में प्रदर्शन करने वाले पुरुष और महिलाओं के साथ ममता बनर्जी प्रदर्शन क्यों कर रही हैं? सरकार भी उनकी, पुलिस भी उनकी तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। प्रश्न यह भी है कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के मामले में पुलिस क्यों हमेशा लाचार हो जाती है? पश्चिमी बंगाल की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जबाव देना चाहिए कि इतनी बड़ी घटना होने के बाद सबूत मिटाने के लिए इतनी बड़ी संख्या में भीड़ हमला करने आ गई और उसे रोकने के लिए पुलिस ने कोई इंतजाम नहीं किया।यह हालात बताते हैं कि ममता बनर्जी की प्रशासनिक क्षमता खत्म हो गई है उनका प्रशासनिक तंत्र पर कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं है?

यह कितना शर्मनाक है कि हर बार जब भी बलात्कार का कोई केस होता है, तो उसकी थोड़ी–बहुत चर्चा मीडिया में आती है परंतु अंत में मीडिया वाले तथा अन्य सभी चले जाते हैं और केवल न्याय के लिए तरस रही पीड़िता तथा उसके परिवार वाले ही अकेले रह जाते हैं।कई बार तो उलटे पीड़िता पर ही सवाल उठाए जाते हैं कि वह देर से घर से निकली होगी, परिधान ठीक नहीं पहने होंगे, वह अमुक जगह क्यों सो रही थी, जैसा कि कोलकाता के अस्पताल बलात्कार कांड में हुआ है। जहां कालेज प्रबंधन ने महिला डाक्टरों के रहने के लिए कमरा नहीं बनवाया था, जबकि पुरुष डाक्टरों के लिए यह व्यवस्था थी।यहां तक कि महिला डाक्टरों के लिए बाथरूम तक नहीं था। यदि सुविधाएं ही नहीं होंगी, तो महिला सुरक्षा सम्बन्धी कानून कैसे लागू किए जा सकेंगे? पश्चिम बंगाल की सरकार यह कह रही है कि दोषी को फांसी दे दो परंतु जब तक दोषी को यह संदेश नहीं जाएगा कि बलात्कार करके वह बच नहीं सकता और हर हालत में सजा मिल कर ही रहेगी, तब तक इस समस्या का समाधान नहीं होगा। सबसे बड़ी बात यह है कि जहां पुलिस और वकीलों में पुरुषों की बहुसंख्या होती है वहां उन्हीं के दृष्टिकोण से फैसले होते हैं। भारत में प्रति घंटे बलात्कार के 4 केस होते हैं जबकि केस केवल 30 प्रतिशत मामलों में ही चलते हैं। ऐसे हालात में लोग महिलाओं को सम्मान देना कहां से सीख पाएंगे? कामकाजी व अन्य महिलाओं के मामले में हमारे कानून पहले भी अच्छे थे तथा नए कानूनों को और भी कठोर बना दिया गया है परंतु उन्हें लागू करने के लिए उसी तरह के लोगों की भी जरूरत है। जैसा कि कोलकाता बलात्कार और हत्या केस में सामने आया है जहां मामले को शुरू से ही दबाने की कोशिश की जा रही थी। कॉलेज के प्रिंसीपल का दूसरी संस्था में तबादला कर दिया गया है। जब तक प्रबंधन किसी घटना के प्रति जवाबदेह नहीं होगा तब तक ऐसे कदमों से कोई लाभ होने वाला नहीं है। थोड़ा प्रोटैस्ट तो होगा परंतु एक महीने के बाद सब शांत हो जाएगा। जैसा कि हाल ही के दिनों में मणिपुर, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न के मामले में हमने देखा है।

इस समूचे सिस्टम को देखते हुए सिर्फ यही कहा जा सकता है कि हमारा सिस्टम ही सबूत नष्ट करके, मामले को दबा कर या लटका कर वास्तविकता पर पर्दा डालने की कोशिश करता है क्योंकि हमारी मानसिकता ही ऐसी बन चुकी है जिसमें हम महिलाओं को समानता का अधिकार देना नहीं चाहते। एक ओर नारी को देवी दुर्गा के स्वरूप में पूजन करने की विरासत और दूसरी ओर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की राज व्यवस्था और इस सबके बावजूद बच्चियों महिलाओं के साथ ऐसी बर्बरता जो आदिम युग की असभ्यता से भी कई गुना अमानवीय और अमानुषिकता से भरा है। बर्बरता चाहे हाथरस में हो या मणिपाल में संदेशखाली में हो या कोलकाता में सभी राजनीतिक दलों का स्वर एक होना चाहिए लेकिन शर्मनाक बात यह है कि राजनीति इन वीभत्स वारदातों को भी अलग अलग चश्मे से देखती है हाथरस में भाग कर जाने वाले कोलकाता नहीं जाते और कोलकाता पर शोर मचाने वाले मणिपुर नहीं जाते। ऐसे हालात में नही लगता कि राजनीतिक दल बर्बरता और हैवानियत के खिलाफ खड़े हैं दरअसल वह तो अपनी सुविधा के अनुसार इन वारदातों पर राजनीति की रोटी सेकने का प्रयास कर रहे हैं। यह स्थिति एक स्वस्थ लोकतंत्र की परिचायक नहीं है।

हमेशा बिखराब देखने वाली वामपंथी राजनीति में अब विलय

अमित राजा

भारतीय वामपंथी राजनीति में हमेशा टूटन और बिखराब ही देखा मगर अब दो वाम दलों भाकपा (माले) और मासस यानी मार्क्सवादी समन्वय समिति का विलय एक नजीर होगा। साथ ही यह विलय देश के बाकी वामपंथी पार्टियों के लिए मर्जर की संभावनाओं के द्वार खोलेगा। झारखंड के धनबाद, बोकारो, गिरिडीह और हजारीबाग में ये दोनों पार्टियां भाकपा (माले) और मासस वैसे रही, जैसे एक ही आंगन के दो अलग–अलग घरों में कोई दो परिवार रहता हो। दोनों साथ भी रहे, जन सवालों पर मिलकर आंदोलन भी किया। अपने–अपने संगठन के विस्तार को लेकर आपस में लड़े भी और चुनावों में एक–दूसरे को चुनौतियां भी दी। हां, परिस्थितिजन्य कारणों से चुनावों में एक–दूसरे का तिनेक बार समर्थन भी किया।

अब इन दो पार्टियों के विलय की घोषणा राज्य की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण है। भाकपा माले में मासस के विलय पर मुहर लगने के बाद झारखंड की सियासत पर पड़ने वाले असर का आंकलन किया जाने लगा है। हालांकि, विलय सिर्फ इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि राज्य में विधानसभा चुनाव नजदीक है। विलय महज इसलिए भी खास नहीं है कि यह पार्टी को सांगठनिक मजबूती देने के साथ गठबंधन की राजनीति में ज्यादा से ज्यादा सीटों पर दावेदारी पेश करने का पार्टी को अवसर देगा। बल्कि, विलय कई कारणों से ऐतिहासिक है। 2000 के दशक में कुछ अतिवादी वामपंथी संगठनों के विलय को छोड़ दें तो अबतक वामपंथी पार्टियों ने सिर्फ टूटन ही देखी है। 9 सितंबर 2024 में भाकपा (माले) और मासस के विलय के साथ धनबाद में रैली है। 20 साल पहले सितंबर में ही इसी तरह का एक बड़ा विलय हुआ था। तब 21 सितंबर 2004 को एमसीसीआई यानी माओइस्ट कम्युनिस्ट सेंटर ऑफ इंडिया और पीपुल्सवार का विलय हुआ। और, नये संगठन के तौर पर भाकपा (माओवादी) का उदय हुआ था। इस दो अतिवादी वाम संगठनों के विलय से पहले वामपंथी पार्टियों के हिस्से सिर्फ और सिर्फ टूटन और बिखराव आया। एक कम्युनिस्ट पार्टी से टूटकर कम्युनिस्टों के सौ से अधिक ग्रुप, पार्टी या सेंटर्स वजूद में आये।

70 का दशक था। जब, आलोचक कहा करते थे कि कलकत्ता के कॉफी हाउस में हर पांचवे दिन एक नयी कम्युनिस्ट पार्टी के उदय की पृष्ठभूमि तैयार होती है। वहां पांच–सात कामरेड जुटते हैं और यूएसएसआर के मास्को–क्रैमलिन या चाइना के पेईचिंग के सवाल पर या फिर चे–ग्वेरा और फिदेल कास्त्रो में बड़ा यौद्धा चुनने के सवाल पर एक मत नहीं हो पाते और नयी पार्टी बना लेते हैं। आलोचकों के अनुसार, लेनिन के सच्चे उत्तराधिकारी लियो त्रोत्सकी या स्तालिन में कौन थे? के सवाल पर भी असहमति में कामरेडों ने इसी कॉफी हाउस में नये संगठन बनाने की पृष्ठभूमि तैयार की ली थी। 70 का दशक ही था जब बंगाल के नक्सलबाड़ी में गरीबों–किसानों, खेतीहर मजदूरों और झारखंड के धनबाद में कोयला खदान श्रमिकों का आंदोलन शुरू हुआ। इन आंदोलनों के बीच में ही नक्सलबाड़ी में भाकपा (माले) तो धनबाद में मासस का गठन हुआ। माले का संगठन विस्तार पाते–पाते आसपास के कई राज्यों तक पहुंचा। जबकि मासस के मजदूर आंदोलन की कामयाबी ने उसे धनबाद से गिरिडीह, बोकारो और हजारीबाग की कोलियरियों तक पहुंचा दिया। दोनों संगठन मजदूरों और किसानों की एकता की बात करते थे। तब, मजदूरों के बीच मासस तो किसानों के बीच माले का कामकाज था। हालांकि, उस वक्त इन दोनों संगठनों के बीच विलय की कोई बातचीत नहीं हुई।

मध्यमार्गी पार्टियों से दूरी और कांग्रेस की पीछलग्गू बनने से भाकपा माले के स्पष्ट परहेज ने सीपीआई और सीपीएम के कुछ कैडरों को भी उसकी ओर आकर्षित किया था। सुविधावादी और संशोधनवादी वामपंथी शैली के खिलाफ माले का अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ना उसके संगठन को विस्तार देता रहा। जबकि मासस नेता एके राय के जीवन और उनकी अनूठी राजनीतिक शैली ने धनबाद में किसी दूसरे संगठन को पनपने नहीं दिया। हालांकि कामरेड एके राय अपने संगठन में मजबूत 'सेकेंड लाइन नेतृत्व' विकसित नहीं कर सके। लिहाजा, माले की तरह मासस का विस्तार नहीं हो पाया। एके राय की मार्क्सवादी समन्वय समिति में दूसरे वामपंथी संगठनों के उदासीन कैडर समन्वित नहीं हो सके। जबकि वामपंथी संगठनों के उदासीन कैडरों को समन्वित करना भी मासस के गठन का मकसद था।

भाकपा (माले) और मासस का विलय कई अर्थों में महत्वपूर्ण

दूरगामी राजनीतिक कारणों से कामरेड राय ने अलग राज्य आंदोलन के लिए बिनोद बिहारी महतो और शिबू सोरेन के साथ जनसंगठन के तौर पर 'झारखंड मुक्ति मोर्चा' का गठन किया। नारा दिया था- झारखंड को लालखंड यानी शोषण मुक्त भू–खंड में बदल डालो। हालांकि, बिनोद बिहारी महतो से सहमति लेकर जब कामरेड राय ने 1977 के विधानसभा चुनाव में टुंडी सीट पर शक्तिनाथ महतो को मासस का उम्मीदवार बनाया था तो शिबू सोरेन विरोध में आकर निर्दलीय मैदान में उतर गये। इस एक घटना के बाद से कामरेड राय ने जन संगठन झामुमो में सक्रिय रहना तो दूर कभी कार्यकारिणी समिति के सदस्य की भी जिम्मेवारी नहीं ली। झामुमो को राजनीतिक संगठन बना दिये जाने के बाद तो कामरेड राय का पूरी तरह अलग होना जरूरी हो गया था। लेकिन, कामरेड राय ने झामुमो का कभी विरोध नहीं किया और शिबू सोरेन की हमेशा तारीफ ही की। वैसे, सिंदरी विधानसभा सीट पर 1985 के चुनाव में बिनोद बिहारी महतो को झामुमो का टिकट नहीं मिलने पर कामरेड राय ने बिनोद बाबू को कहा था कि आप चाहें तो मासस प्रत्याशी हो सकते हैं। आप निर्दलीय भी मैदान में आएंगे तो मासस का अपको समर्थन मिलेगा। उस चुनाव में मासस ने अपने सीटिंग विधायक आनंद महतो को टिकट नहीं दिया था। ऐसे में झामुमो प्रत्याशी विमल कुमार मरांडी चौथे नंबर पर रहे और बिनोद बिहारी महतो की जीत हुई थी।

सीपीएम छोड़ने और मासस का गठन करने के बाद कामरेड एके राय की प्रसिद्धी और भी बढ़ी। उनका सरल और सहज होना और मजदूरों सरीखे उनके जीवन ने उनके ईमानदार व्यक्तिव को और भी ऊंचाईयां दी। यात्री बसों, पैसेंजर ट्रेनों में यात्रा करना और ठंठ में बिना हीटर के तो गर्मियों में बिना बिजली के पंखों के वे घंटों धनबाद में खपरैल के दफ्तर में कोयला मजदूरों से घिरे रहते। जमीन पर सोकर ही पांच घंटे की नींद लेते। पूर्व विधायक और पूर्व सांसद को मिलने वाला पेंशन भी उन्होंने कभी नहीं लिया। लिहाजा, बिहार बंटवारे से पहले दिल्ली या पटना से कोई पत्रकार अगर बातचीत के लिए किसी वामपंथी नेता की तलाश में होते तो उनकी पहली प्राथमिकता एके राय ही होते थे। एके राय से मजदूर वर्ग सीधे कनेक्ट होता था। क्योंकि वेशभूषा में एके राय मजदूर जैसे ही थे। मशीनीकरण से सावधान करते वक्त वे सीताराम येचूरी या प्रकाश करात की तरह अमेरिका से बात शुरू नहीं करते थे। वे जेसीबी मशीन को दिखाकर मजदूरों से कहते थे- 'ई मोशीन टा देख छो... ' मसलन ,.. इस जेसीबी मशीन को देख रहे हो यही आ रही है। बड़ी चुनौती है। ये डाला मजदूर का काम करेगी। नौकरी बचाना है तो इसके खिलाफ लड़ना होगा।

झामुमो को राजनीतिक पार्टी बना दिये जाने के बाद भी एके राय लाल–हरा झंडा मैत्री की बात करते रहे। दूसरी ओर, भाकपा माले ने संसदीय राजनीति में आईपीएफ यानी इंडियन पीपुल्स फ्रंट के प्रयोग के वक्त फ्रंट के झंडे को हरा–लाल रंग देने से इंकार कर दिया था। आईपीएफ एक ऐसा फ्रंट था जिसमें करीब 100 संगठनों की मोर्चाबंदी थी। पर्यावरणविद सुंदरलाल बहुगुना भी इस मोर्चाबंदी में शामिल थे। मोर्चा में शामिल कई संगठनों ने आईपीएफ के झंडे को लाल–हरा रंग देने की मांग की थी। आइपीएफ के जमाने से यी कहें तो उससे पहले से ही धनबाद के निरसा में भाकपा माले ने पैर जमाने की कोशिश की। संगठन भी रहा। लेकिन, उस मजबूती में नहीं जिसकी पार्टी लीडरशिप को चाहत थी। माले एक्टू यानी ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन से संबद्ध यूनियन के बैनर तले मजदूरों के बीच काम करती रही। लेकिन, उसे मासस की सीटू से संबद्ध बीसीकेयू यानी बिहार कोलियरी कामगार यूनियन जैसी कामयाबी नहीं मिली। शुरूआती दौर में माले निरसा में बीसीकेयूजे के नाम पर मजदूरों के बीच आयी थी। बाद में माले ने एकटू से संबद्ध कोल माइंस वर्कर्स यूनियन बनायी। निरसा के बाद माले पूरे धनबाद में फैली मगर फल–फूल नहीं पायी।

एके राय जबतक जीवित रहे बरगद की तरह रहे। किसी दूसरी वामपंथी पार्टी को फलने–फूलने नहीं दिया। सीपीएम छोड़ने के बाद भी कामरेड राय की बनायी बीसीकेयू से ही जुड़कर सीपीएम के मजदूर नेता रहे। हालांकि बीसीकेयू, सीटू से ही ही संबद्ध रही। धनबाद जिले में एके राय और मासस की ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बीसीकेयू के केंद्रीय महासचिव सीपीएम के नेता एसके बक्शी बीसीकेयू के मामूली एरिया सेक्रेटरी और मासस नेता गुरदास चटर्जी से निरसा सीट से 1990 में चुनाव हार गये। कामरेड चटर्जी 28741 वोट लाकर चुनाव जीते तो कामरेड बक्शी 4399 वोट ही मिला और वे बुरी तरह हारे थे। मार्क्सवादी चिंतक एके राय कहीं पिछड़े तो पार्टी के भीतर सेकेंड लाइन लीडरशिप डेवलप नहीं कर पाने के कारण पिछड़े। एक बार तो उन्होंने इस बारे में मुझसे खुलकर बात भी की थी। वे पार्टी को मार्क्सवाद का स्कूल बनाना चाहते थे। मगर, पार्टी धर्मशाला बनकर रह गयी। मासस स्कूल नहीं बन पायी और पार्टी से मार्क्सवादी लड़ाके बाहर नहीं निकले। ऐसे में एके राय के निधन के बाद मासस को मजबूत नेतृत्व की जरूरत थी। लिहाजा, विलय के बाद धनबाद में वामपंथ खासकर भाकपा माले को बड़ी मजबूती मिलने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

अब विलय के बाद दोनों पार्टियों के नेताओं को मजबूत संगठन मिलेगा। लेकिन, चुनौतियां भी हैं। इस चुनौती को कामरेड एके राय समझ रहे थे। अब बाकी नेताओं को भी समझना होगा। मार्क्स का नारा- 'मजदूरों के लिए पाने को सारी दुनिया है, और खोने को केवल उनके पैरों पर लगी बेड़ियां हैं' कोयलांचल में नहीं चलेगा। कोयला क्षेत्र के मजदूरों के पास अब खोने को करोड़–दो करोड़ का मकान, विदेश में काम करते बच्चे हैं। पत्नी के पास लाखों के जेवरात हैं। दूसरी चुनौती अरूप चटर्जी की जीबीसीसीआई की मेम्बरशिप है। जो, उन्हें सीटू के प्रतिनिधि के तौर पर दी गयी है। माले की यूनियन एक्टू में अगर वे आते हैं तो जेबीसीसीआई की मेम्बरी नहीं मिलेगी। हालांकि पार्टी और यूनियन के अगल–अलग कामकाज करने का चलन है। भाजपा सांसद ढुल्लू महतो सीपीआई की यूनियन एटक से जुड़े हैं। क्योंकि, बीएमएस में उन्हें एंट्री आसान नहीं थी। मगर, कोलियरी में धाक चलाने के लिए यूनियन से जुड़ा होना जरूरी है। वैसे, पूर्व विधायक अरूप चटर्जी जिस विचारधारा से जुड़े हैं, वहां वे मजदूरों की धाक के पक्ष में होंगे। इसलिए उनका जेबीसीसीआई से जुड़ा होना जरूरी होगा।

शहनाई का खत उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के नाम

सविता आनंद

प्रिय बिस्मिल्लाह,

तुम्हें इस दुनिया से गए 18 बरस हो चुके और इन 18 बरसों में तुम्हारे जाने के बाद जो मैंने महसूस किया वो तुमसे साझा करना चाहती हूं। मात्र 3 साल की उम्र में तुम्हारे नन्हे हाथों ने जब पहली बार मुझे छुआ तो मुझे एहसास हो चुका था कि मैं तुम्हारे साथ पूरे ब्रह्मांड के दर्शन करूंगी। मेरी और तुम्हारी यात्रा 9 दशक तक साथ रही और कई पड़ावों से गुजरी, स्वतंत्र भारत के पहले भी और आजाद भारत के बाद भी।

स्वाधीनता की पहली किरण के साथ जब मन प्रफुल्लित हो उठा। आकाश में जब इंद्रधनुष ने शहनाई के सभी स्वरों का स्वागत किया। लाल किले के प्राचीर से जब राग काफी की गूंज पूरी दुनिया ने सुनी मैं तुम्हारे साथ थी। उसके साथ ही एक मुसलसल सिलसिला शुरू हुआ, हर साल 15 अगस्त की सुबह का आगाज हमारी मौजूदगी से ही होता रहा और गणतंत्र दिवस पर भी शहनाई की मीठी धुनों ने उन ऐतिहासिक पलों को हमेशा के लिए हमने खुद में समेट लिया।

हमने आजादी के स्वर्ण युग का जश्न भी साथ मनाया पर अफसोस हम आजादी के अमृत महोत्सव में शामिल न हो सके और शायद देश भी हमारे योगदान को तब तक भुला चुका था। शायद तुम्हारी बूढ़ी कांपती उंगलियों से निकले स्वर, उन कानों तक नहीं पहुंच सके जो अकसर हर शुभ अवसर में, हर प्रायोजन में हमें बुलावा भेजा करते थे। शायद तुम मुझे भी अपने साथ ले गए और मैं फिर से उसी दौर को जीने को मजबूर हूं, जो गुमनामी में पहले जिया करती थी। मुझे तुमने जो मान दिया मैं उसके लिए सदा के लिए तुम्हारी आभारी हो गई। घर की ड्योढ़ी और आंगन से निकालकर तुमने मुझे कैसे सातवें आसमान पर बैठा दिया और पूरे विश्व को शहनाई की स्वर लहरियों से गुंजायमान कर दिया इसका कोई सानी नहीं है। तुमने मुझे साधारण से असाधारण बना दिया। लोग कहते हैं कि मैं शादियों की शहनाई हूं, पर तुम्हारी उंगलियों ने मुझे आध्यात्म की आवाज बना दिया। मंदिर की सीढ़ियों पर, गंगा के किनारे, तुम्हारे साथ मैंने मोक्ष की ध्वनि भी गुंजाई। तुम्हारी हर तान में मैं तुम्हारे दिल की धड़कन को महसूस कर सकती थी। तुमने मुझे बस एक वाद्य यंत्र नहीं समझा, बल्कि एक जीवित साथी के रूप में अपनाया। तुम्हारे बिना मेरा अस्तित्व अधूरा है, जैसे तुमने मुझे अपनी आत्मा का अंश बना लिया हो। मुझे दुःख होता है जब सोचती हूं कैसे बाबा काशी विश्वनाथ के प्रति तुम्हारी अपार श्रद्धा थी और जब भी तुम काशी से बाहर रहते थे तब काशी स्थित बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुंह करके बैठते थे। काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा थी लेकिन बिस्मिल्लाह बाबा विश्वनाथ के जीर्णोद्धार में तुम्हें और मुझे भुला दिया गया।

तुम्हारे जाने के बाद, मेरी आवाज में वह जादू भी नहीं रहा। मुझे बजाने वाले तो कई हैं, पर तुम्हारी वो खास बिस्मिल्लाह की तान अब कोई नहीं छेड़ता। वो कजरी, वो चैती अब कहीं सुनाई नहीं पड़ती। मुझे लगने लगा है मैं भी तुम्हारे साथ उसी रोज़ दफन हो गई थी, जिस रोज फातमान दरगाह पर तुम्हारी मजार को पूरा करने पर राजनीति होने लगी। उसे पूरा होने में दस साल लग गए और ये दस साल मेरे लिए किसी कैदखाने से कम नहीं थे। मुझे एहसास हुआ कि ये दुनिया चढ़ते सूरज को ही सलाम करती है, बुझ जाने के बाद सब एक लौ की माफिक ही याद आते हैं। जिस बिस्मिल्लाह ने शहनाई को दुनिया के मानचित्र पर बनारस के समकक्ष लाकर खड़ा कर दिया, जिस बिस्मिल्लाह से बनारस के घाटों की हर सुबह शहनाई की गूंज से सरोबार होती थी, जिस बिस्मिल्लाह ने ताउम्र गंगा जमुनी तहजीब की बेजोड़ मिसाल कायम की, उसी बिस्मिल्लाह को सब इतनी जल्दी भूल गए यह भी भारत रत्न मिलने जैसे ही अनुभव होता होगा शायद? तुम्हारे बिना, मैं खोई–खोई सी हूं। मैं इंतजार करती हूं, शायद किसी दिन तुम फिर से आओ और दालमंडी के हड़हा सराय का बाट देखता तुम्हारा मकान फिर से बैठकों के उस दौर से जीवंत हो उठे जो तुम अपने संगी साथियों के साथ जिया करते थे।

इस मकान में कभी कभार दूरदराज से कोई राहगीर चले आते हैं देखने की भारत रत्न कैसे रहा करते थे। कैसे अपनी संगीत साधना से बिना किसी लाग लपेट के देश का गौरव बन बैठे और देश के सभी सर्वोच्च सम्मान पाकर भी लेशमात्र न इतराए। सही मायनों में भारत रत्न भारत का गौरव इसे ही कहते हैं शायद? बिस्मिल्लाह तुम भारत रत्न के सही मायनों में पैरोकार हो।

आज (21 अगस्त) तुम्हारी पुण्यतिथि पर सब तुम्हें याद करेंगे। तुम्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे लेकिन शायद इस मकान की धरोहर की ओर फिर किसी का ध्यान न जाएगा। लेकिन मैं ये सोचकर ही गौरवान्वित हो उठती हूं कि जब भी देश में सांझी संस्कृति की बात होगी, तब उस्ताद बिस्मिल्लाह की बात होगी। जब भी शहनाई का जिक्र होगा, उस्ताद ही जहन में होंगे। जब भी बनारस का नाम लिया जाएगा। उस्ताद का नाम सर्वोपरि होगा। जब भी मां गंगा को पुकारा जाएगा उस्ताद बहती नदी की तरह उसमें शामिल होंगे....और मैं तुम्हारी इन सभी यादों में बहती धारा की तरह सदा मुश्तमिल (शामिल) रहूंगी।

(लेखिका, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान की विरासत पर उनके पोते आफाक हैदर के साथ सक्रियता से काम कर रही हैं।)

धीमा न्याय निर्भयाओं को कर रहा कमजोर

प्रियंका सौरभ

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में हुए शर्म से डुबो देने वाले हौलनाक कांड ने कई तरह के सवाल पैदा किए हैं। कार्यस्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाली घटनाओं को रोकने के तमाम प्रयासों के बीच मेडिकल स्टूडेंट (ट्रेनी लेडी डॉक्टर) की रेप के बाद की गई हत्या से सारे देश में उबाल है। ऐसे मामलों में धीमी न्याय प्रक्रिया भी निर्भयाओं के हौसले को कमजोर करती है। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम (2013) जैसे प्रगतिशील कानूनों के अस्तित्व के बावजूद, निगरानी, जवाबदेही और संस्थागत समर्थन की कमी के कारण उनका कार्यान्वयन कमजोर बना हुआ है। राष्ट्रीय महिला आयोग के एक अध्ययन में पाया गया कि कई कार्यस्थलों में आंतरिक शिकायत समितियों का अभाव है, जो यौन उत्पीड़न अधिनियम को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। संस्थाओं के भीतर भ्रष्टाचार, हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय में बाधा उत्पन्न कर सकता है तथा प्रभावशाली अपराधी अकसर रिश्वत या राजनीतिक संबंधों के माध्यम से कानूनी परिणामों से बच निकलते हैं। कई कानून प्रवर्तन अधिकारियों और न्यायिक कर्मियों में लैंगिक मुद्दों पर पर्याप्त प्रशिक्षण और संवेदनशीलता का अभाव है, जिसके कारण पीड़ित को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पैदा होती है और महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों का अनुचित तरीके से निपटारा होता है। पुरुषों के वर्चस्व और महिलाओं पर नियंत्रण को प्राथमिकता देने वाले पितृसत्तात्मक मानदंड, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के जारी रहने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ये मानदंड अकसर अपमानजनक व्यवहार को उचित ठहराते हैं या कम करते हैं, परिवार के पुरुष सदस्यों पर आर्थिक निर्भरता अक्सर महिलाओं को हिंसा सहने के लिए मजबूर करती है, क्योंकि अपमानजनक स्थिति से बाहर निकलने पर वित्तीय अस्थिरता या अभाव हो सकता है।

विशेषकर यौन हिंसा के पीड़ितों को अकसर सामाजिक कलंक और बहिष्कार का सामना करना पड़ता है, जो उन्हें अपराधों की रिपोर्ट करने या न्याय मांगने से हतोत्साहित करता है। मीडिया में महिलाओं और हिंसा के बारे में प्रस्तुतीकरण अक्सर मामलों को सनसनीखेज बना देता है, कभी–कभी मुद्दे की गंभीरता को कमतर आंकता है या पीड़ितों के बारे में नकारात्मक रूढ़िवादिता को मजबूत करता है। विशेष रूप से यौन हिंसा की रिपोर्टिंग से होने वाले रुढ़िवादी सांस्कृतिक कलंक के कारण कम रिपोर्टिंग होती है, जिससे महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों के प्रवर्तन में बाधा आती है। यौन हिंसा की अनुमानित घटनाओं और रिपोर्ट किए गए मामलों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर दिखाता है, जो रिपोर्टिंग में सांस्कृतिक बाधाओं को उजागर करता है। अपर्याप्त फंडिंग और स्टाफिंग सहित संस्थागत संसाधन की कमी, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों का जवाब देने की क्षमता को सीमित करती है। कई पुलिस स्टेशनों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों को संभालने के लिए समर्पित महिला अधिकारियों या विशेष प्रकोष्ठों की कमी है, जिसके कारण मामले को ठीक से नहीं निपटा जा पाता है। राजनीतिक प्रभाव और भ्रष्टाचार के कारण अकसर कानूनों का चयनात्मक प्रवर्तन होता है, जहां शक्तिशाली व्यक्तियों से जुड़े मामलों को या तो दबा दिया जाता है या खराब तरीके से जांच की जाती है। महिलाओं में कानूनी जागरुकता की कमी, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, न्याय पाने की उनकी क्षमता को सीमित करती है और इसके परिणामस्वरूप उन्हें बचाने के लिए बनाए गए कानूनों का कम उपयोग होता है। कई महिलाएं महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2005 जैसे कानूनों के तहत अपने अधिकारों से अनजान हैं, जिसके कारण रिपोर्ट करने और कानूनी सहारा लेने की दर कम है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण, संवेदनशीलता और संसाधन आवंटन के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए: पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो द्वारा आयोजित पुलिस अधिकारियों के लिए नियमित लिंग संवेदनशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम, महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों से निपटने में सुधार कर सकते हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान करने जैसी आर्थिक सशक्तिकरण पहल, महिलाओं की अपमानजनक रिश्तों पर निर्भरता को कम कर सकती है और उन्हें अपने अधिकारों का दावा करने में सक्षम बना सकती है। सरकार और नागरिक समाज संगठनों को महिलाओं के बीच कानूनी साक्षरता बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, ताकि वे अपने अधिकारों और उनके लिए उपलब्ध कानूनी रास्तों के बारे में जागरूक हों। महिला अधिकार पहल जैसे गैर सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित कानूनी जागरुकता शिविर महिलाओं को घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2005 जैसे कानूनों के बारे में शिक्षित करने में मदद करते हैं। सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम जो पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देते हैं और लैंगिक समानता को बढ़ावा देते हैं, एक सांस्कृतिक बदलाव ला सकते हैं जो महिलाओं के खिलाफ हिंसा को हतोत्साहित करता है। संस्थानों के अंतर्गत मजबूत निगरानी और जवाबदेही तंत्र स्थापित करने से यह सुनिश्चित हो सकता है कि कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और किसी भी चूक को तुरंत संबोधित किया जाए। कार्यस्थलों पर आंतरिक शिकायत समितियों की स्थापना, जैसा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 द्वारा अनिवार्य है, अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित ऑडिट के साथ, कानून की प्रभावशीलता में सुधार कर सकता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो संस्थागत और सामाजिक दोनों कारकों से निपटता है। कानून प्रवर्तन को मजबूत करना, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और सांस्कृतिक परिवर्तन को बढ़ावा देना महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में आवश्यक कदम हैं। सरकार, नागरिक समाज और समुदायों के ठोस प्रयासों से, भारत एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ सकता है जहां महिलाएं भय और हिंसा से मुक्त रहें, उनके अधिकार और सम्मान पूरी तरह सुरक्षित हों।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में 21 अगस्त का अवकाश

● आपदा प्रबन्धन अधिनियम 2005 के तहत जिला कलक्टर ने जारी किए आदेश

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 20 अगस्त। जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन समिति प्रकाश राजपुरोहित ने आपदा प्रबन्धन अधिनियम 2005 के अध्याय 4 की धारा 34 में निहित प्रावधान के अनुसार 21 अगस्त 2024 को जयपुर शहर में संचालित कक्षा 1 से 12 तक के समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों में अवकाश घोषित किया है।अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (द्वितीय) आयुक्तालय, जयपुर से प्राप्त पत्रानुसार माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति वर्गों के आरक्षण को लेकर दिए गए निर्णय के विरोध में 21 अगस्त 2024 को अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग द्वारा सम्पूर्ण भारत में भारत बंद का आहवान किया गया है।प्रस्तावित स्वतः स्फूर्त भारत बंद के दौरान जयपुर शहर में विभिन्न स्थानों पर रैलियों, प्रदर्शन, एवं जाम जैसी स्थिति होना संभावित है। जिससे स्कूलों एवं कोचिंग छात्रों की बसों, ऑटो रिक्शाओं एवं अन्य बाल-वाहिनी वाहनों के जाम में फंसने की संभावना है।इसी क्रम में दिनांक 21 अगस्त 2024 कोसंभावितपरिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में स्कूलों एवं कोचिंग संस्थानों में अवकाश घोषित करने हेतु अनुरोध किया है।आपदा प्रबन्धन अधिनियम 2005 के अध्याय 4 की धारा 34 में निहित प्रावधानुसार 21 अगस्त 2024 को जयपुर शहर में संचालित कक्षा 1 से 12 तक के समस्त सरकारी / गैर सरकारी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों में अवकाश घोषित किया गया है।

चुरू पुलिस की कार्रवाई

लेडी वार्ड बॉय जहर खुरानी मामला,

● आरोपी नर्सिंग ऑफिसर गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर/चूरू! (खलील कुरैशी) 20 अगस्त। चूरू शहर के राजकीय भरतीया हॉस्पिटल में एनजीओ के तहत वार्ड बॉय के पद पर कार्यरत महिला से छेड़छाड़, बदसलूकी के मामले में पुलिस की टीम ने आरोपी नर्सिंग ऑफिसर सुभाष चंद्र सिहाग पुत्र इंद्र चन्द (43) निवासी राजपुरा थाना तारानगर को गिरफ्तार कर लिया है।एसपी जय यादव ने बताया कि राजकीय भरतीया अस्पताल में एनजीओ के तहत वार्ड बॉय के पद पर कार्यरत एक महिला द्वारा 17 अगस्त को अपने निवास स्थान पर जहरीला पदार्थ खा लिया था, जो अभी चूरू के डीबीएच हॉस्पिटल में भर्ती है। आरोपी नर्सिंग ऑफिसर सुभाष चंद्र सियाग के विरुद्ध 18 अगस्त को थाना दुधवाखारा पर मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसमें महिला बार्ड बॉय से अश्लील हरकत, छेड़छाड़ करना, पीछा करना एवं किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देने के संबंध में बीएनएस की संबंधित धाराओं एवं एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया था।मामले की जांच सीओ चूरु को सौंप आरोपी की तलाश के लिए एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा अथक प्रयास कर मंगलवार को आरोपी सुभाष चंद्र सिहाग को दस्तयाब किया गया है। इस कार्रवाई में सीओ कार्यालय के एएसआई शिव कुमार एवं थाना सदर चुरू के हेड कांस्टेबल राजू सिंह की विशेष भूमिका रही।

प्रतापगढ़ जिले में थाना हथुनिया के घोटारसी गांव में फायरिंग मामला

● पुलिस की त्वरित कार्रवाई, चार आरोपी गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर/प्रतापगढ़, (खलील कुरैशी) 20 अगस्त। प्रतापगढ़ के थाना हथुनिया क्षेत्र के घोटारसी गांव में पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद के बाद फायरिंग की घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी नादर खान पुत्र नासर खान (24), मोहिन खान पुत्र मकसूद खान (28), मुबारिक अजमेरी पुत्र फकीर मोहम्मद (36) एवं ताज मोहम्मद पुत्र कासम अजमेरी (55) निवासी हथुनिया को गिरफ्तार कर लिया हैएसपी लक्ष्मण दास ने बताया कि रविवार 18 अगस्त को घोटारसी गांव में दो पक्षों के बीच लड़ाई झगड़ा होने की सूचना मिलने पर एसएचओ हथुनिया इंद्रजीत परमार मय टीम के तुरंत मौके पर पहुंचे। कल्याणपुर रोड पर मौजूद लोगों ने पूछताछ में बताया कि अली हुसैन निवासी हथुनिया एवं सद्दाम अजमेरी निवासी घोटारसी के बीच लड़ाई झगड़ा हो जाने पर सद्दाम ने अली हुसैन के बांयी जांघ पर गोली मार दी। अली हुसैन के साथियों ने सद्दाम और उसके पिता अजीज अजमेरी के साथ मारपीट की। जिनके चोटे आने से प्रतापगढ़ हॉस्पिटल लेकर गए है।सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनवारी लाल मीणा एवं सीओ हेरम्भ जोशी भी मौके पर पहुंच गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। गठित टीम द्वा-रा त्वरित कार्रवाई कर आरोपी नादर खान, मोहिन खान, मुबारिक अजमेरी एवं ताज मोहम्मद को गिरफ्तार किया गया। शेष अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए तलाश जारी है।

जयपुर जिले की 15 उचित मूल्य की दुकानों का जन पोषण केंद्र के लिए हुआ है चयन

शाहपुरा में जन पोषण केन्द्र का हुआ उद्घाटन

केन्द्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने किया वर्चुअल उद्घाटन

चमकता राजस्थान

शाहपुरा!(खलील कुरैशी) 20 अगस्त। केन्द्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को शाहपुरा के नाथावाला ग्राम पंचायत में जन पोषण केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए सावंत ने बताया कि जन पोषण केंद्र का उद्देश्य उचित मूल्य दुकानदार की आय में वृद्धि करना तथा जनता को पोषण के प्रति जागरुक करना और पोषक पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।उपायुक्त आशीष कुमार ने बताया कि बाल्यावस्था से ही

पोषण पर ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि पोषण पर किया गया खर्च बीमारियों से बचाता है। जिला रसद अधिकारी जयपुर ग्रामीण अनुराधा गोगिया ने जानकारी दी कि जयपुर जिले में 15 उचित मूल्य दुकान जन पोषण केंद्र के लिए चयनित की गई है।

ये अधिकारीगण रहे मौजूद

» उपखंड अधिकारी शाहपुरा अशोक कुमार, प्रवर्तन अधिकारी कल्याण सहाय करोल जयराम गुर्जर, प्रवर्तन निरीक्षक राहुल भावरिया तथा अन्य अधिकारी गण, सरपंच प्रतिनिधि रामफूल गुर्जर सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे ने भी शिरकत की।

भारत बंद को लेकर सीएलजी सदस्यों की मीटिंग बाड़ी में धौलपुर पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा मौजूदगी में हुई

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) भारत बंद को लेकर आज दिनांक :- 20 अगस्त 24 को बाडी पुलिस कोतवाली पर सीएलजी सदस्यों एवं शहर के सभी समाज के अध्यक्षों के साथ मीटिंग मीटिंग का आयोजन हुआ! जिसमें धौलपुर पुलिस अधीक्षक सुमित मेहर-ड़ा, उपखंड अधिकारी राधेश्याम मीणा, एडिशनल एसपी कमल कुमार जांगिड़, डीएसपी नरेंद्र कुमार, शिवलहरी मीणा एस एच ओ के निर्देशन में मीटिंग संपन्न हुई। इस मीटिंग में सीएलजी सदस्य एवं भारत बंद संगठन समिति के सदस्य भी मौजूद रहे। भारत बंद संगठन समिति के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा के सामने पूर्व सरपंच भारतलाल मीणा उमरेह वाले द्वारा 2 घंटे के लिए बाजार बंद रखने का सर्व समाज के अध्यक्षों से आग्रह किया। जिसमें लगभग सभी ने दिन के 1:00 बजे तक बंद रखने की स्वीकृति प्रदान की। इस बंद भारत में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हमारी तरफ से हम किसी भी तरह का समर्थन नहीं करते, जैसा भी विचार है! अपने विवेक पर निर्भर है। पुलिस प्रशासन आपका पूर्ण रूप से सहयोग करेगा एवं बाजार में पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहेगा। आज की मीटिंग बहुत ही सकारात्मक रहीं। इस सीएलजी मीटिंग के मौके पर जगदीश सागर एस आई, राशीद खान प्राचार्य, अमर सिंह मीणा, राकेश दीक्षित, दीनदयाल समाधिया, जगदीश जगरिया, मुकेश बिधौलिया ब्राह्मण समाज अध्यक्ष, वंदना शिवहरे , रोशनी शिवहरे, डॉ. जितेंद्र शर्मा, अनिल गोयल, आशुतोष शर्मा, नरेंद्र गोयल, राजकुमार भारद्वाज, शब्बीर बाबा, राजकुमार शर्मा, सुरेंद्रसिंह परमार, सुभाषचंद्र बंसल, बनवारी लाल शिवहरे, अमन शिवहरे, वैध गिरीश शर्मा, महेश चंद्र, राकेश अजर एडवोकेट, अमर सिंह पूनिया, जगदीश रावत, अतिराम सेमल, महेश चंद्र भटेले, डॉ. वीरेंद्र यादव वैध, बबुआराम एडवोकेट, जगलाल एडवोकेट, राजवीर जाटव पार्षद, सेलू गुर्जर भीम आर्मी जिला अध्यक्ष आदि लोग मौजूद रहे!

प्रदेश कांग्रेस कार्यकर्ताओ का ईडी कार्यालय के बाहर विशाल धरना-प्रदर्शन 22 को

चमकता राजस्थान/जयपुर, 20 अगस्त। अडानी महाघोटाले की जॉच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से करवाने की मॉग को लेकर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओ द्वारा 22 अगस्त, गुरुवार को जयपुर में ईडी कार्यालय के बाहर विशाल धरना-प्रदर्शन किया जायेगा।

प्रदेश कांग्रेस के महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी लम्बे समय से अडानी महाघोटाले की जॉच जेपीसी से कराने की मॉग कर रही है तथा हिन्डनबर्ग रिपोर्ट में उजागर हुये तथ्यों में वित्तीय बाजार में नियंत्रण के लिये जिम्मेदार संस्थान सेबी के द्वारा अपने कर्त्तव्यों के साथ समझौता करने की जानकारी मिली है। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस की बैठक में इस महाघोटाले के विरूद्ध पूरे देश में विरोध-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया जिसकी पालना में दिनांक 22 अगस्त को जयपुर में ईडी कार्यालय के बाहर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओ द्वारा विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जायेगा।

लोकेश अग्रवाल अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन युवा प्रदेश कार्यकारणी सदस्य मनोनित

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह) अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा लोकेश अग्रवाल भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष वैर को युवा प्रदेश की कार्यकारणी की जिम्मेदारी दी गई उसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग, प्रदेश अध्यक्ष गिरीश गर्ग राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष ऊर्जावान हेमराज जिंदल,प्रदेश महामंत्री सन्मति हरकारा व युवा प्रदेश अध्यक्ष बड़े भाई नितिन अग्रवाल,प्रदेश महामंत्री विनीत बंसल समस्त युवा कार्यकारिणी द्वारा लोकेश अग्रवाल पर विश्वास जताया है उसके लिए लोकेश अग्रवाल ने सभी का आभार प्रकट करता किया है। और कहा समाज मे एकता लाकर उसे ऊपर ले जाने कि आप सभी का आशीर्वाद एवं साथ हमेशा रहे ऐसी अग्रसेन जी महाराज से प्रार्थना है।

भारत बंद दौरान नदबई में एक बजे तक बाजार बंद पर बनी सहमति

बंद को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड़ पर, बाजार में किया फ्लैग मार्च

चमकता राजस्थान

नदबई,(राजवीर सिंह)। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में अनुसूचित जाति-जनजाति संगठन की ओर से बुधवार को भारत बंद के आहवान पर पुलिस थाने में एसडीएम गंगाधर मीणा की अध्यक्षता में सीएलजी सदस्य सहित अलग-अलग संगठन पदाधिकारियों की बैठक हुई। जिसमें एसडीएम ने सोशल मीडिया की खबरों को नजर अंदाज कर बंद दौरान शांति व्यवस्था रखते हुए सहयोग करने को कहा। वही, एडीशनल एसपी रामकल्याण मीणा ने बंद दौरान डीजे व अनाधिकृत नारेबाजी नही करने व जरुरतमंद लोगों की सहूलियत का ध्यान रखने के निर्देश दिए।

बैठक में जाटव समाज के प्रतिनिधियों ने शांति व्यवस्था रखते हुए मुख्य बाजार में जुलूस निकालने को कहा। जबकि, व्यापार महासंघ की ओर से शांति व्यवस्था के लिए दोपहर एक बजे तक बाजार बंद का आश्वासन दिया। बाद में एडीशनल एसपी के नेतृत्व में पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने मुख्य बाजार में फ्लैग मार्च करते हुए व्यापारियों को सहयोग करने को कहा। इस दौरान पुलिस सीओ पूनम भरगढ़, थाना प्रभारी दौलत साहू, ईओ दीपा यादव सहित संगठन पदाधिकारी, जनप्रतिनिधी व व्यापारी मौजूद रहे।

हत्या करने की धमकी से परेशान युवक ने की खुदकुशी, मामला दर्ज

● शुक्रवार को गायत्री कॉलोनी स्थित पोखर में युवक का शव मिलने का मामला

चमकता राजस्थान । नदबई,(राजवीर सिंह)। कस्बे की गायत्री कॉलोनी स्थित पोखर में करीब पांच दिन पहले युवक का शव मिलने के मामलें में मृतक के भाई हरेन्द्र सिंह ने हत्या करने की धमकी से परेशान होकर खुदकुशी करने का आरोप लगाते हुए दो जनों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया।

पुलिस के अनुसार कस्बा निवासी मनोज उर्फ पोले पुत्र मुन्नालाल व रिंकू जाटव पुत्र बदनी जाटव ने 15 अगस्त की रात मृतक युवक ओमप्रकाश सिंह को रास्ते मे रोक कर मारपीट करते हुए हत्या करने की धमकी दी। बाद में मोबाइल, नगदी सहित अन्य सामान लेकर फरार हो गए। हत्या करने की धमकी से परेशान होकर पीडित के भाई ने समीपवर्ती पोखर में कूद कर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि, करीब आठ माह पहले भी आरोपी मनोज उर्फ पोले ने मृतक युवक ओमप्रकाश सिंह पर धारदार हथियार से हमला करते हुए मारपीट की। मामला दर्ज होने पर भी कार्रवाई नही होने से आरोपियों ने एक बार फिर से हत्या करने की धमकी देते हुए मारपीट की। जिससे परेशान होकर युवक ने पोखर में कूद कर खुदकुशी कर ली। गौरतलब है कि, 16 अगस्त को गायत्री कॉलोनी स्थित पोखर में युवक ओमप्रकाश सिंह का शव मिला। बाद में पुलिस ने युवक के शव को निकालते हुए उपजिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम कराया।

उदयपुर चाकूबाजी मामला

एपीसीआर ने राजस्थान हाईकोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) गत 16 अगस्त को 10वीं कक्षा के दो छात्रों के बीच हुए झगड़े में एक छात्र द्वारा दूसरे को चा×कू मार कर घायल कर दिया गया, जिसकी 19 अगस्त 2024 को इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) के प्रदेशाध्यक्ष सैयद सआदत अली एडवोकेट ने घायल छात्र की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए प्रदेशवासियों से शान्ति एवं व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।एपीसीआर के प्रदेश महासचिव ने बताया कि संगठन की ओर से सोमवार को राजस्थान उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश को 'पत्र-याचिका' भेज कर, उक्त दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद हुई हिंसा एवं आगज़नी की घटनाओं तथा कुछ संगठनों द्वारा मामले को साम्प्रदायिक रंग दिये जाने के मामले में त्वरित हस्तक्षेप की मांग की गई है।याचिका में कहा गया है कि पुलिस ने आरोपी नाबालिग छात्र को गिर×फ्तार कर लिया है, लेकिन साथ ही बिना किसी स्पष्ट कारण के उसके पिता, सलीम शे×ख को भी हिरासत में लिया गया और उनके किराए के घर को भी ध्वस्त कर दिया गया, जिससे उसमें रह रहे दो परिवार बेघर हो गए हैं, जिनका कोई दोष नहीं था। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि उपरोक्त बस्ती में 200 से अधिक घर हैं, परन्तु केवल इसी एक घर को अवैध निर्माण बता कर तोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन की यह कार्रवाई साम्प्रदायिक विद्वेष से प्रेरित लगती है। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के की गई यह कार्रवाई कहीं अन्य प्रदेशों की तरह राजस्थान में भी संवैधानिक न्याय का स्थान ''बुलडोज़र न्याय'' न लेले।याचिका में प्रमुख रूप से, उपद्रव फैलाने वालों से स×ख्ती से निपटने, आरोपी छात्र के पिता श्री सलीम शे×ख को तत्काल रिहा करने, बेघर हुए परिवारों के लिए स्थायी आवास की व्यवस्था होने तक अस्थायी आश्रय की व्यवस्था, अवैध रूप से घर को तोड़ने वाले अधिकारियों के विरुद्ध न्याय संगत कार्रवाई, सम्पूर्ण मामले की माननीय न्यायालय की निगरानी तथा सार्वजनिक हित और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मामले की खुली अदालत में सुनवाई का अनुरोध किया गया है।प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि पीड़ित छात्र को पूरा न्याय मिलना चाहिये परन्तु वहीं आरोपी छात्र के मानव अधिकारों का भी हनन नहीं होना चाहिये।

सार्वजनिक निर्माण विभाग अधिशासी अभियंता सुमित तिवारी के प्रयास लाए रंग

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग अधिशासी अभियंता नगर खण्ड ,तृतीय ,जयपुर के अधिशासी अभियन्ता सुमित तिवारी के प्रयासों से गांधीनगर एच क्वार्टरों में लगभग पच्चीस सालों से चल रही सीवर लाइन की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी,सुमित तिवारी ने एक निजी कंपनी से सर्वे करवाकर विभाग को बजट आवंटन के लिए लिखा था,विभाग ने इसकी स्वीकृत प्रदान कर एच क्वार्टर्स में सीवर लाइन सहित अन्य कार्य करने के लिए 43 लाख 32 हज़ार रुपया देने का निर्णय किया,तिवारी ने गांधीनगर के एच क्वार्टर्स में सीवर लाइन और दूसरे कार्यों के लिए 43 लाख 32 हज़ार रुपया स्वीकृत करवाये है, गांधीनगर स्थित एच क्वार्टर्स में रहने वाले लोग पिछले कई सालों से सीवर लाइन और अन्य कार्यों को लेकर परेशान चल रहे थे !

अधिशासी अभियंता सुमित तिवारी ने इनकी समस्याओं को समझते हुए यह राशि स्वीकृत कराने के लिए विभाग को पत्र लिखा जो स्वीकार हो गया !

संयुक्त शासन सचिव नीतू राजेश्वर द्वारा दिए गए स्वीकृति पत्र में आरटीपीपी अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 वित्तीय नियमों,प्रक्रियाओं तथा सुस्थापित सिद्धांतों के प्रत्येक स्तर पर पालना किए जाने के निर्देश दिए गए है !

संक्षिप्त खबरें

सीढ़ी के मलवे में दबने से बुजुर्ग महिला की मौत

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के दीपनगर थानाक्षेत्र के मेहनौर गांव में सीढ़ी कें मलवा में दबने से 50 वर्षीय बुजुर्ग महिला क मौत हो गयी। यह घटना मंगलवार की सुबह की है। मृतक महिला मेहनौर गांव निवासी स्व.राजो यादव की पत्नी निरो देवी है। बताया जाता है कि निरो देवी अपने घर में वर्षा से बचने के लिए घर में बनी कच्ची सीढ़ी के पास छुप गयी । तेज वर्षा से मिट्टी का बना सीढ़ी गिर गया । उसी मलवा में निरो दब गयी, जहां से परिवार वालों ने मलवा हटाकर निरो को बाहर निकाला, जिसे ईलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां ईलाज के दौरान ही महिला की मौत हो गयी। दीपनगर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया है।

दो ट्रकों में हुई टक्कर, ड्राइवर की मौत

किशनगंज। जिले के कोचाधामन थाना क्षेत्र के एनएच-327 पर भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार दो ट्रकों के आमने-सामने जबरदस्त टक्कर होने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई है। घटना कोचाधामन थाना क्षेत्र के महादेवदिघी के समीप एनएच 327 पर मंगलवार को हुई है। जानकारी के अनुसार कोचाधामन थाना क्षेत्र के महादेवदिघी के समीप एनएच 327 पर तेज रफ्तार दो ट्रक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई है, जिसमें आमने सामने दो ट्रकों के भिड़त हो जाने से दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए हैं। हादसे में क्षतिग्रस्त हुए दोनों ट्रकों में से एक ट्रक में गिट्टी लदा हुआ है। इस हादसे में एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई है। मृतक व्यक्ति झारखंड का रहनेवाला बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। मौके पर कोचाधामन थाना पुलिस भी पहुंच गई है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को जब्त कर सड़क के साइड करवा दिया गया है, जिससे यातायात पुनः शुरू हो गई है। इस मामले में पुलिस आगे की करवाई में जुट गई है। कोचाधामन थानाध्यक्ष राजा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि एक व्यक्ति की मौत हुई है। बाकी अबतक किसी की घायल होने की सूचना प्राप्त नहीं है।

महिला की गोली मारकर हत्या

बिहारशरीफ। जिले में कराय-परसुराय थाना क्षेत्र के चन्द्रकुरा बहियार में सोमवार की रात्रि एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान मखदुमपुर गांव निवासी शिव कुमार यादव की पत्नी बबीता कुमारी बतायी जाती है। घटना रात्रि नौ बजे की है घटना की सूचना कराय-परसुराय थानाध्यक्ष को दी गई जिसमें बताया गया कि हिलसा-दनियावां पटना रोड से सटे चन्द्रकुरा बहियार के समीप एक महिला को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही करायपरसुराय थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम, जिसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हिलसा और अंचल निरीक्षक हिलसा भी शामिल थे, तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे जहां घटनास्थल पर बबीता देवी का शव बेहद गंभीर हालत में पड़ा मिला । पुलिस ने बताया कि मृतका के बाएं कनपट्टी पर और छाती पेट पर गहरे जख्म निशान थे जिससे प्रतित होता है कि महिला को गोली मारी गई है।पुलिस ने एफएसएल की टीम को बुलाकर घटनास्थल पर जाकर साक्ष्य संकलन करने में जुट गई है। मृतका के पति शिव कुमार यादव द्वारा दिए गए बयान के आधार पर करायपरसुराय थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

लापता बुजुर्ग का शव तालाब से बरामद

जलपाईगुड़ी। दो दिनों से लापता बुजुर्ग व्यक्ति का शव तालाब से बरामद किया गया है। मृतक बुजुर्ग का नाम निताई रॉय (75) है। वह पहाड़पुर ग्राम पंचायत के डेंगुआझार बाजार संलग्न सुंदरपाड़ा के निवासी थे। मंगलवार को बुजुर्ग का शव जलपाईगुड़ी सदर ब्लॉक के पहाड़पुर ग्राम पंचायत के गोमस्टापाड़ा स्थित तालाब से बरामद किया गया है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, रविवार से निताईलापता थे। परिजनों ने तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। सुबह कुछ लोगों ने एक व्यक्ति के शव को गोमस्टापाड़ा स्थित तालाब में देखा। घटना की जानकारी मिलते ही लापता निताई के परिजन भी मौके पर पहुंचे और की शव की पहचान की। सूचना पाकर जलपाईगुड़ी कोतवाली थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जलपाईगुड़ी जिला अस्पताल भेज दिया। कोतवाली थाने की पुलिस घटना की जांच में जुट गयी है।

नशीले टैबलेट के साथ एक गिरफ्तार

अलीपुरद्वार। जयगांव थाने की पुलिस ने भारी मात्रा में नशीले टैबलेट के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपित का नाम अशरफ अली है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोमवार देर रात गुप्त सूचना के आधार पर जयगांव थाने की पुलिस ने भानुभक्त टोल इलाके के एक गैरेज में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान अशरफ अली को पकड़ा गया। जब पकड़े गए आरोपित की तलाशी ली गई तो उसके पास से भारी संख्या में नशीली टैबलेट बरामद हुआ। जिसके बाद आरोपित को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित के पास से 1440 नशीली टैबलेट बरामद जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपित को मंगलवार को अलीपुरद्वार अदालत में पेश किया जाएगा।

एसी चोरी के आरोप में तीन गिरफ्तार

सिलीगुड़ी। खालपाड़ा चौकी की पुलिस ने एसी चोरी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोरों के नाम गणेश पांडे, पंकज राय और विशाल बासफोर है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गत 18 अगस्त की रात महानंदा पाड़ा इलाके स्थित एक ऑफिस से एसी चोरी की शिकायत खालपाड़ा चौकी में दर्ज कराई गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। गुप्त सूचना पर खालपाड़ा चौकी की पुलिस ने सोमवार रात विवेकानंद रोड से तीन संदिग्धों को एसी मशीन के साथ पकड़ा। जिसे तीनों बिक्री करने के लिए पहुंचे थे। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि यह चोरी की गई मशीन है। जिसके बाद खालपाड़ा चौकी की पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

पश्चिम बंगाल में हालात संकटग्रस्त, वर्तमान सरकार से जनता का विश्वास उठा : राज्यपाल

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉक्टर सी.वी. आनंद बोस ने एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या मामले को समाज के लिए सबसे शर्मनाक पल करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल संकट की स्थिति में है और जनता ने वर्तमान सरकार से विश्वास खो दिया है। उन्होंने मृत डॉक्टर के लिए न्याय की मांग को लेकर आयोजित रैली पर सवाल उठाने वाले ममता बनर्जी के बयान को शब्दजाल बताया। राज्यपाल बोस ने मंगलवार को एक साक्षात्कार में कहा, बंगाल संकट की स्थिति में है। छात्रों ने सरकार से विश्वास खो दिया है, युवा डरे हुए हैं और महिलाएं निराश हैं। यह भावना बढ़ रही है कि जो सरकार नागरिकों की सुरक्षा के लिए है, वह अपनी भूमिका निभाने में असफल हो रही है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक पोस्टग्रेजुएट महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार

और हत्या के बाद राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गई। घटना के विरोध में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल मंगलवार को 12वें दिन में प्रवेश कर चुकी है। डॉक्टरों ने पीड़िता के लिए न्याय की मांग की है और कार्यस्थलों पर बेहतर सुरक्षा के लिए कानून बनाने की भी अपील की है। बोस ने कहा, छात्रों का पुलिस पर से विश्वास उठ गया है। खासकर महिला डॉक्टरों और पैरामेडिक्स के बीच असंतोष बढ़ता जा रहा है। आम नागरिक भी दुखी हैं कि जब कार्रवाई की जरूरत होती है, तब सरकार कोई कदम नहीं उठाती। उन्होंने कोलकाता पुलिस पर अपराधीकरण और राजनीतिकरण का आरोप लगाते हुए, सरकार के कार्यों और जनता की जरूरतों के बीच एक संभावित अलगाव की बात कही। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा, मुख्यमंत्री की स्थिति स्पष्ट नहीं है। एक रैली में स्वास्थ्य मंत्री ने गृह मंत्री से परिसरों में सुरक्षा की कमी की शिकायत की। गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री से कार्रवाई न होने की शिकायत की। लोग जानते हैं कि स्वास्थ्य मंत्री और गृह मंत्री दोनों मुख्यमंत्री ही हैं। यह स्थिति डॉ. जेकिल और मिस्टर हाइड की तरह है- हर कोई जानता है कि कौन क्या है। यह हास्यास्पद है कि बंगाल की मुख्यमंत्री न्याय की मांग करती फिरती हैं। राज्यपाल बोस ने सरकार की स्थिति को जब रोम जल रहा था, नीरो बांसुरी बजा रहा था से तुलना करते हुए सरकार पर जनता की सुरक्षा में असफल होने का आरोप लगाया। उन्होंने इस स्थिति को राष्ट्रीय शर्म करार देते हुए कहा, यह बंगाल के समाज के लिए सबसे शर्मनाक और मानवता के लिए सबसे चिंताजनक पल है। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा मृत डॉक्टर के परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजा देने की पेशकश पर भी सवाल उठाया।

चिकित्सा समुदाय ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया, सुरक्षा की मांग पर जारी रहेगा आंदोलन

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल डॉक्टर्स फोरम ने कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ हुई रेप और हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप का स्वागत किया। संगठन का कहना है कि यह कदम मेडिकल समुदाय के हित में है। मंगलवार को संगठन के एक सदस्य ने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में बताया कि फिलहाल हड़ताल जारी रहेगा क्योंकि सुरक्षा जरूरी है लेकिन इस बारे में जल्द फैसला होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने हड़ताल खत्म करने की जो अपील की है उसे पर क्या कदम उठाया जाए। संगठन ने एक बयान में कहा, हम माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई विस्तृत सुनवाई का स्वागत करते हैं और विश्वास जताते हैं कि यह दखल मेडिकल समुदाय के व्यापक हित में होगी। हम कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने सभी हितधारकों से सलाह-मशविरा करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कोलकाता में डॉक्टर की रेप और हत्या के मामले के बाद डॉक्टरों की सुरक्षा और सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए एक 10-सदस्यीय कार्यबल का गठन किया है। यह कार्यबल तीन हफ्तों में अपनी अंतरिम रिपोर्ट और दो महीने में अंतिम रिपोर्ट सौंपेगा। वहीं, फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (फाइमा) ने भी जल्द ही एक बैठक करने की बात कही है। फाइमा ने कहा, हम जल्द ही अपडेट देंगे। निर्णय सभी राज्यों की रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के इनपुट पर आधारित होगा और बहुमत के फैसले के अनुसार लिया जाएगा। मंगलवार को डॉक्टरों की हड़ताल का 10 वां दिन था। आंदोलनकारी चिकित्सक कोलकाता में हुई हत्या के बाद से अस्पतालों में काम कर रहे डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून की मांग कर रहे हैं। हड़ताली डॉक्टर सीबीआई द्वारा तेज और पारदर्शी जांच और एक केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम की मांग कर रहे हैं।

बंगाल में एक दिन में दुष्कर्म की तीन घटनाएं सामने आए

भाजपा ने पूछा - ममता बनर्जी आप चैन से कैसे सोती हैं?

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठाए गए हैं। 19 अगस्त 2024 को राज्य में तीन और बलात्कार के मामले सामने आए, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। बीजेपी ने कहा है कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है, खासकर एक महिला मुख्यमंत्री के शासन में। मंगलवार को बंगाल भाजपा ने अपने ट्वीट में कहा, वास्तव में यह विडंबना ही है कि एक महिला मुख्यमंत्री के शासन में महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। बलात्कार के मामलों को आत्महत्या करार देने की कोशिशें, पुलिस द्वारा शिकायतें दर्ज करने से इनकार, और दबाव के चलते सिर्फ कुछ ही मामले रिपोर्ट हो रहे हैं।

इस ट्वीट में बंगाल बीजेपी ने तीन ताजा मामलों का जिक्र किया है:

1. बर्धमान के कटवा में एक गृहिणी के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ।
2. उत्तर 24 परगना में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार की घटना सामने आई है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस ने पहले शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया था।
3. मुर्शिदाबाद में एक नाबालिग लड़की ने बलात्कार के बाद आत्महत्या कर ली।

बीजेपी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सीधे निशाने पर लेते हुए पूछा है, ममता , आपकी नजर के नीचे महिलाएं इस तरह से बर्बरता का शिकार हो रही हैं और आप कैसे चैन की नींद सो सकती हैं?

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं, और इन ताजा घटनाओं ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बीजेपी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया है कि उनके शासन में महिलाओं के प्रति अपराध बढ़ रहे हैं और इन मामलों को छिपाने की कोशिशें की जा रही हैं। राज्य में बढ़ते अपराध और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए, बीजेपी ने यह भी कहा कि जब तक सरकार इन मामलों को गंभीरता से नहीं लेती, तब तक महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना संभव नहीं होगा।

महिलाओं की पूजा समिति ने दुर्गा पूजा में सरकारी अनुदान नहीं लेने की घोषणा

एजेंसी

हुगली। आर.जी. कर कांड का विरोध करते हुए हुगली जिले के तारकेश्वर के अस्तारा गांव की एक पूजा समिति ने घोषणा की है कि वे दुर्गा पूजा के दौरान सरकारी अनुदान स्वीकार नहीं करेंगे। 'माँ शरदजननी दुर्गा महोत्सव पूजा समिति' नामक महिलाओं की पूजा इस बार पांच साल में प्रवेश कर रही है। पहले हर साल इन्होंने सरकारी अनुदान स्वीकार किया था। इस बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पूजा समितियों का सरकारी अनुदान 70 हजार से बढ़ाकर 85 हजार रुपये करने की घोषणा की है। हालांकि, इस पूजा समिति ने इस बार अनुदान के लिए आवेदन नहीं करने का फैसला किया। सोमवार शाम पूजा समिति ने पूजा मंडप के मैदान में मोमबत्तियां जलाकर आर.जी. कर कांड का विरोध किया। पूजा समिति की सदस्य चैताली जाना ने कहा कि हम आर.जी. में हुई क्रूर घटना के लिए न्याय चाहते हैं। जिस तरह से एक जीवित दुर्गा की हत्या की गयी है, उसके विरोध में हम इस साल सरकारी चंदा नहीं लेंगे। अपराधियों को सजा देना अति आवश्यक है। भाजपा के आरामबाग सांगठनिक जिलाध्यक्ष और पुरसुरा के विधायक बिमान घोष ने कहा, हमारा मानना है कि पश्चिम बंगाल में सभी पूजा समितियों को इस वर्ष सरकारी अनुदान नहीं लेकर आर.जी. कर कांड का विरोध करना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस के आरामबाग संगठन के जिले के अध्यक्ष और तारकेश्वर के विधायक रामेंदु सिंह राय ने कहा कि इस विषय में मुझसे सवाल नहीं किया जाना चाहिए जो लोग अनुदान लेने से इनकार कर रहे हैं ।

प्रो. मुसब्बिर आलम बने जनसुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष

किशनगंज। प्रो. मुसब्बिर आलम जनसुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष बनाए गए है, जिसके बाद से उन्हें जमकर बधाइयां मिल रही है। वहीं, ठाकुरगंज की पूर्व प्रमुख रजिया सुल्ताना को पार्टी की महिला जिलाध्यक्ष और इकरामुल हक को पार्टी के युवा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। जानकारी के अनुसार किशनगंज शहर के लाइन उर्दू में जन सुराज कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान जन सुराज पार्टी ने अपने पार्टी का विस्तार किया है। बहादुरगंज के रहनेवाले प्रो. मुसब्बिर आलम को जनसुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष चुना गया है। वहीं राजद प्रखंड अध्यक्ष सह ग्राम पंचायत बंदरझूला के मुखिया इकरामुल हक ने राजद से इस्तीफा देकर जन सुराज पार्टी का दामन थामा है। नए जिला अध्यक्ष बनते ही आलम ने पार्टी के सभी अधिकारियों के साथ-साथ कार्यकर्ताओं का धन्यवाद जताया है।

जयंती कांग्रेस कार्यालय में भारत रत्न, स्व. राजीव गांधी की मनाई गई जयंती

ओरल पोलियो वैक्सीन बनाने की सुविधाएं स्थापित की गईं

एजेंसी

किशनगंज। भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री, 21वीं सदी के भारत निर्माता, डिजिटल क्रांति के जनक एवं भारत रत्न, स्व. राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस कार्यालय में किशनगंज कांग्रेस नगर अध्यक्ष सजल कुमार साह के अध्यक्षता में एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष इमाम अली चिंटू के नेतृत्व में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान किशनगंज युवा कांग्रेस ज़िलाध्यक्ष मो. आजाद साहिल, कांग्रेस ज़िला उपाध्यक्ष अरुण कुमार साह, कांग्रेस ज़िला प्रवक्ता शमशीर अहमद दारा, कांग्रेस ज़िला महासचिव आदर्श कुमार साह, युवा कांग्रेस ज़िला संयोजक वसीम

अख़्तर, ओबीसी प्रदेश महासचिव सम्भु कुमार यादव, किशनगंज कांग्रेस नेता हाफिज मोबासीर, युवा कांग्रेस नगर महासचिव शुभम कुमार दास , किशनगंज कांग्रेस कार्यालय प्रभारी मो. गुड्डू आदि मौजूद रहे। इस दौरान मो. आजाद साहिल ने कहा कि आज राजीव गांधी की 80वीं जयंती है। उनका राजनीतिक जीवन छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण था।

मार्च 1985 के बजट में उन्होंने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसने आर्थिक नीति के प्रति एक नया दृष्टिकोण दिया। शहादत को प्राप्त होने से कुछ सप्ताह पहले तक उन्होंने 1991 के लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र को तैयार करने में कई घंटे बिताए थे, जिसने जून-जुलाई 1991 में नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह द्वारा लाए गए ऐतिहासिक सुधारों की नींव रखी। उन्होंने कहा कि असम, पंजाब, मिजोरम और त्रिपुरा जैसे देश के अशांत क्षेत्रों में शांति समझौते उनकी उस शासन कला के बदौलत संभव हो पाए, जिन्होंने राष्ट्रीय हित को अपनी पार्टी के तात्कालिक हितों से ऊपर रखा। उनके पास विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सामाजिक उपयोगिता के लिए एक दृष्टिकोण था जो पेयजल आपूर्ति, टीकाकरण, साक्षरता, तिलहन उत्पादन और दूरसंचार एवं डेयरी विकास में प्रभावशाली प्रौद्योगिकी मिशनों में परिलक्षित हुआ।

1985 में, 165,000 ऐसे गांवों की पहचान हुई थी जहां पीने योग्य पानी के किसी भी स्रोत तक आसान पहुंच नहीं थी। 1989 तक, इनमें से 162,000 गांवों को पीने के पानी का कम से कम एक सुरक्षित स्रोत प्रदान किया गया था। ओरल पोलियो वैक्सीन बनाने की सुविधाएं स्थापित की गईं। भारत को सॉफ्टवेयर निर्यात में महाशक्ति बनाने की दिशा में पहला प्रत्यक्ष कदम उनके कार्यकाल के दौरान उठाया गया था। उ-उ्ठाउ जैसी संस्थाएं जिनपर आज हमें गर्व है, 1980 के दशक के अंत में स्थापित की गई थीं। राष्ट्रीय आवास बैंक और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक जैसी वित्तीय संस्थाएं अस्तित्व में आईं। प्रगतिशील मूल्यों पर आधारित 1986 की नई शिक्षा नीति पर उनकी व्यक्तिगत छाप थी। आज के नवोदय विद्यालय इसी पहल के तहत सामने आए। मतदान की आयु घटाकर 18 वर्ष कर दी गई और स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस घोषित किया गया। हमारे संविधान का अनुच्छेद 243 निर्वाचित पंचायतों और नगर पालिकाओं को सशक्त बनाने की उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को श्रद्धांजलि है।

भाजपा नेता अमित मालवीय का ममता बनर्जी पर हमला

एजेंसी

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) पर भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित मालवीय ने कड़ा प्रहार किया है। मालवीय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह कदम डॉ. संदीप घोष को बचाने का एक प्रयास है। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है, जिसमें चार आईपीएस अधिकारियों को शामिल किया गया है। अमित मालवीय ने सवाल

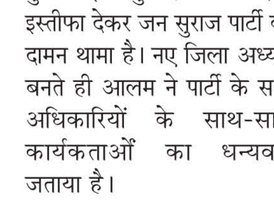

उठाया है कि पुलिस अधिकारी आखिर किस प्रकार वित्तीय अपराधों की जांच के लिए सक्षम हो सकते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की सरकार सीबीआई को संदीप घोष की गिरफ्तारी से रोकने के लिए जानबूझकर इस कदम को उठा रही है। मालवीय का कहना है कि पश्चिम बंगाल पुलिस सही समय पर संदीप घोष को गिरफ्तार करेगी ताकि सीबीआई उसे हिरासत में न ले सके।

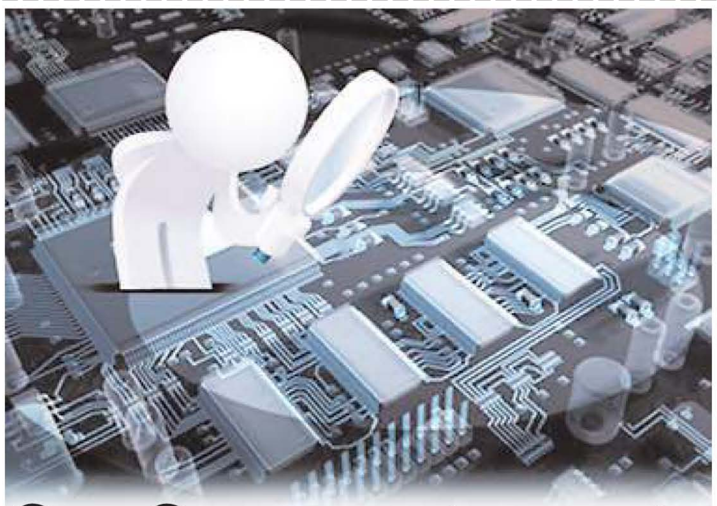

चिप डिजाइनर के रूप में अपना करियर करें डिजाइन

टेक्नोलॉजी ने जहां लोगों के जीवन को सरल और आधुनिक बना दिया है, वहीं टेक्नोलॉजी के कई क्षेत्रों में करियर के शानदार विकल्प भी उभर कर सामने आए हैं। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में जो प्रगति हुई है उसमें चिप डिजाइनिंग इंडस्ट्री ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अगर आप भी इंजीनियरिंग में रूचि रखते हैं और साथ ही चैलेंजिंग काम करना चाहते हैं तो चिप डिजाइनिंग में करियर बना सकते हैं। चिप सिलिकॉन का एक छोटा और पतला टुकड़ा होता है जो मशीनों के लिए इंटीग्रेटेड सर्किट बेस का काम करता है। चिप डिजाइनिंग की मदद से बड़े आकार के उपकरणों को भी छोटे आकार में बदला जा सकता है।

बढ़ रही है डिमांड

चिप डिजाइन के रूप में आप एक सुनहरा करियर बना सकते हैं। इसकी हर सेक्टर में मांग है। एक चिप डिजाइनर का मुख्य काम छोटी-बड़ी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस की कार्यक्षमता को बढ़ाना और उसे आसान बनाना है। मोबाइल, टीवी रिमोट से लेकर कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल सेक्टर तक में चिप का इस्तेमाल हो रहा है। आप इस इंडस्ट्री से डिजाइन इंजीनियर, प्रोडक्ट इंजीनियर, टेस्ट इंजीनियर, सिस्टम्स इंजीनियर, प्रॉसेस इंजीनियर, पैकेजिंग इंजीनियर, सीएडी इंजीनियर आदि के रूप में जुड सकते हैं।

योग्यता

चिप डिजानिंग में करियर बनाने के लिए आपके पास इलेक्ट्रॉनिक्स, टेली कम्यूनिकेशन या कम्प्यूटर साइंस में बीई या बीटेक डिग्री होना चाहिए। चिप डिजाइनिंग इंडस्ट्री में विशेष रूप से डिजाइन, प्रोडक्शन, टेस्टिंग, एप्लीकेशंस और प्रॉसेस इंजीनियरिंग शामिल होता है। वैसे इस क्षेत्र में कुछ संस्थानों द्वारा शॉर्ट टर्मकोर्सेस भी कराए जाते हैं, जिनका संबंध आईसी, सर्किट डिजाइन और माइक्रो प्रोसेसर से होता है।

जरूरी स्किल्स

इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं को हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का नॉलेज होना जरूरी है। इसके अलावा अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल्स, टीम वर्क, प्रॉब्लम सॉल्विंग एटिट्यूड बहुत जरूरी है। प्रोग्रामिंग और मैथमेटिकल स्किल्स बहुत जरूरी है। इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं को टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट्स और लेटेस्ट इनोवेशन का ज्ञान होना जरूरी है।

प्रमुख संस्थान

- बिटमैपर इंट्रीगेशन टेक्नोलजी, पुणे, महाराष्ट्र
- सेंट्रल फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांसड कंप्यूटिंग, बेंगलूर
- जामिया मिलीया इस्लामिया, नई दिल्ली

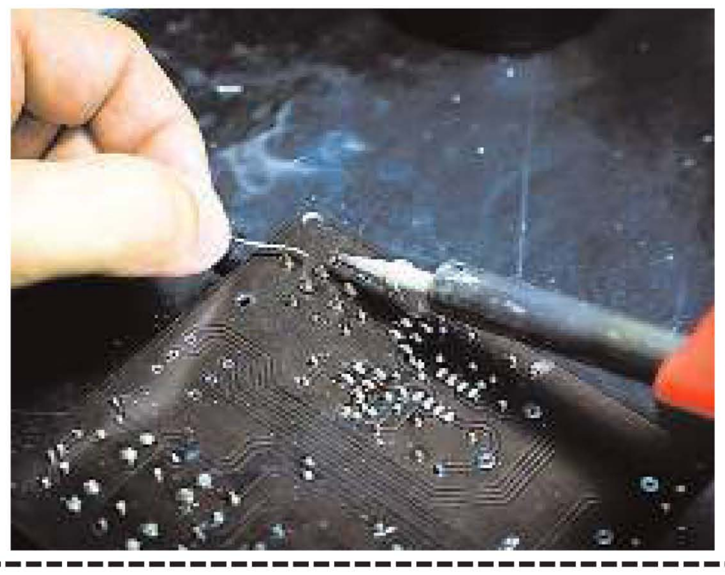

क्या आपमें हैं टेक्नो स्किल्स?

आजकल हर एम्प्लॉयर ऐसे उम्मीदवार तलाशता है, जो पहले से टेक्नो-स्किल रखते हों और जिन्हें बाद में प्रशिक्षित करने पर ज्यादा समय न गंवाना पड़े। आप चाहे सरकारी नौकरी में जाना चाहते हों या फिर प्राइवेट जॉब तलाश रहे हों, पहले कुछ बुनियादी टेक्नोलॉजिकल स्किल्स से खुद को लैस करना बेहद जरूरी है। यह बात भी ध्यान रहे कि एक बार किसी कोर्स द्वारा या कहीं से ऐसी स्किल सीख लेना ही पर्याप्त नहीं है।

एक सरकारी विभाग में राजभाषा अधिकारी पद के लिए इंटरव्यू चल रहा था। इस पद का टेक्नोलॉजी से कोई खास लेना-देना नहीं है। कोई भी यही सोचेगा कि इसके लिए हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल और बढ़िया अकेडेमिक रेकॉर्ड होना पर्याप्त है। मगर आखिर में ऐसे तमाम उम्मीदवारों को पीछे करते हुए इंटरव्यू बोर्ड ने एक ऐसे उम्मीदवार का चयन किया, जो हिंदी पर अच्छा अधिकार तो रखता ही था, उसे टेक्नोलॉजी, ब्लॉगिंग, सोशल मीडिया आदि की भी अच्छी समझ थी। असल में विभाग को आगे हिंदी को बढ़ावा देने के लिए ऐसे ही युवा अधिकारियों की जरूरत थी, जो लेटेस्ट टेक्नोलॉजी की अच्छी समझ रखते हों और हिंदी को बढ़ावा देने के लिए इनका इस्तेमाल करने में सक्षम हों। इस उदाहरण से समझा जा सकता है कि आजकल किसी भी फील्ड में नौकरी के लिए टेक्नोलॉजी की बेसिक जानकारी होना या टेकसैवी होना कितना जरूरी हो गया है। आजकल हर एम्प्लॉयर ऐसे उम्मीदवार तलाशता है, जो पहले से टेक्नो-स्किल रखते हों और जिन्हें बाद में प्रशिक्षित करने पर ज्यादा समय न गंवाना पड़े। आप चाहे सरकारी नौकरी में जाना चाहते हों या फिर प्राइवेट जॉब तलाश रहे हों, पहले कुछ बुनियादी टेक्नोलॉजिकल स्किल्स से खुद को लैस करना बेहद जरूरी है। यह बात भी ध्यान रहे कि एक बार किसी कोर्स द्वारा या कहीं से ऐसी स्किल सीख लेना ही पर्याप्त नहीं है। आपको खुद को लगातार इसमें अपडेट भी करते रहना होगा। अगर आप ऐसी स्किल से लैस हैं, तो किसी भी जॉब में आपको चुने जाने की संभावना काफी बढ़ जाती है। अगर आप ऐसी स्किल्स रखते हैं, तो उनके बारे में अपने रिज्यूमे में जरूर लिखें। अब तो ज्यादातर जगह नौकरियों के लिए आवेदन भी ऑनलाइन मंगाए जाने लगे हैं और ट्रेनिंग भी कम्प्यूटर आधारित होती है, इसलिए आपके लिए इंटरनेट और कम्प्यूटर का अच्छा ज्ञान रखना एक अनिवार्य योग्यता है। जानते हैं ऐसी कौन-सी स्किल्स सीखना जरूरी है.।

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सॉफ्टवेयर किसी भी कम्प्यूटर को चलाने के लिए आधार जैसा है। अगर एमएस वर्ड, पावर पॉइंट और एक्सेल पर काम जानते हैं, तो आप दूसरे उम्मीदवार से अपने को बेहतर बता सकते हैं। इनमें से कुछ का इस्तेमाल आजकल स्कूलों के प्रोजेक्ट, प्रेजेंटेशन तैयार करने या कैलकुलेशन में भी होता है। बड़े पैमाने पर डाटा को ऑर्गनाइज करने और जटिल मैथमेटिकल कम्प्युटेशन के लिए माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल एक बेहतरीन सॉफ्टवेयर है। यह एक तरह का स्टैंडर्ड ऑफिस इक्विपमेंट बन गया है। इसलिए आपको इस प्रोग्राम की बेसिक समझ होनी ही चाहिए। अगर इसके एडवांस फीचर सीख लें और इसमें अच्छे तरीके से काम कर पाएं, तो सोने में सुहागा होगा। इसी तरह, यदि आप कम्प्यूटर पर प्रेजेंटेशन बनाना पहले से सीख लेते हैं, तो आपको एक काबिल उम्मीदवार माना जाएगा।

कम्प्यूटर की बेसिक समस्याएं

आपको कम्प्यूटर की छोटी-मोटी समस्याओं को सुलझाने आना चाहिए। कंपनियां यह उम्मीद करती हैं कि आप छोटी-मोटी समस्याओं के लिए आईटी विभाग पर निर्भर न रहें, क्योंकि अक्सर उनके कर्मचारी व्यस्त रहते हैं। यह एक महत्वपूर्ण स्किल है। इसी तरह आपको एंटी-वायरस, गैर-जरूरी फाइलों को क्लीन करने आदि के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

की-बोर्ड शॉर्टकट

यह तो उम्मीद की ही जाती है कि आपको कम्प्यूटर पर अच्छी स्पीड से टाइपिंग आती होगी। इसके लिए नियमित अभ्यास के साथ यह भी जरूरी है कि आप की-बोर्ड शॉर्टकट सीख लें। इससे आपका काफी समय बचता है और तेजी से टाइपिंग कर पाते हैं। कॉपी-पेस्ट करने, अनडू, बोल्ड, इटेलिक, प्रिंट करने आदि के शॉर्टकटसबसे पहले सीखें।

मोबाइल फोन का प्रभावी इस्तेमाल

ऑफिस में कम्युनिकेशन के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। आपको मोबाइल पर तेजी से मैसेज टाइप करना, एड्रेस अच्छी तरह से ऑर्गनाइज करना, कॉन्फ्रेंस कॉल करना आदि उपयोगी स्किल सीखनी होंगीं।

स्मार्ट सर्फिंग, मेलिंग

आपको इंटरनेट पर कोई जानकारी तेजी से हासिल करने के लिए सही तरीके से सर्फिंग करना आना चाहिए। यह देखने में आसान लगता है लेकिन सच तो यह है कि उपयुक्त जानकारी हासिल करने में काफी समय खपाना पड़ता है। कम समय में चाही गई जानकारी प्राप्त हो जाए, इसके लिए आपको सटीक सर्फिंग का अभ्यास होना चाहिए। यानी आपको टारगेटेड सर्च और की-वर्ड का सही इस्तेमाल आना चाहिए। इसी तरह आपको ईमेल का पूरा सिस्टम, उसका एटिकेट आदि पता होना चाहिए। ईमेल को कंपोज करने, फॉर्मेट करने, उसे भेजने और ऑर्गनाइज करने के बेसिक फीचर्स जानना महत्वपूर्ण है।

स्टोरेज टूल की जानकारी

आपको यह पता होना चाहिए कि पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क आदि में डाटा कैसे सेव किया जाता है और उन्हें कम्प्यूटर में लगाकर कैसे इस्तेमाल करते हैं। इसी तरह गूगल ड्राइव, ड्रॉपबॉक्स जैसे क्लाउड स्टोरेज का इस्तेमाल भी आपको सीखना चाहिए। आपको यह भी सीखना चाहिए कि अपने कम्प्यूटर का बैकअप कैसे बनाते हैं।

टेक्नोलॉजी की अपडेटेड नॉलेज

इन सब स्किल्स के साथ ही आपसे यह भी अपेक्षा की जाती है कि आप टेक्नोलॉजी की दुनिया में चल रही नवीनतम गतिविधि से अपडेट होंगे। कम्प्यूटर का लेटेस्ट प्रोसेसर कौन-सा आया है, आजकल रैम कितने जीबी की लगी होती है, 3जी या 4जी क्या हैं, इंटरनेट की स्पीड किस लेवल तक पहुंची है, वाई-फाई की जगह नई टेक्नोलॉजी कौन-सी आ रही है, ऐसे तमाम मसलों से आपको अपडेट रहना चाहिए।

क्या आप अपने विचारों की अभिव्यक्ति अच्छे तरीके से कर सकते हैं क्या आप इंटरनेट की ताकत पर यकीन करते हैं क्या आप हटकर सोच सकते हैं ? अगर हां, तो आपको इंटरनेट मार्केटिंग के करियर बनाने के बारे में एक बार सोचना चाहिए।

इंटरनेट मार्केटिंग में इस तरह बनेगा हाइटेक करियर

आज संवाद के लिए ज्यादा से ज्यादा भारतीय इंटरनेट उपयोग कर रहे हैं तो इसके साथ ही मार्केटिंग का नया क्षेत्र उभर कर आ रहा है। चूंकि यह संदेश भेजने में कॉस्ट इफेक्टिव मीडियम है इसलिए यह युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय है। रिपोर्ट के मुताबिक आज भारत में 50 करोड़ लोग इंटरनेट का नियमित उपयोग करते हैं और यह उछाल पिछले छह सालों में 600 प्रतिशत रहा है। इंटरनेट मार्केटिंग में करियर बनाने के लिए आपको कोई विशेष डिग्री की आवश्यकता नहीं है। आपको पारंपरिक ऑफलाइन मार्केटिंग का थोड़ा नॉलेज होना जरूरी है। इसके अलावा, क्रिएटिविटी, हटकर सोचने की कला, ऑनलाइन मार्केटिंग स्किल्स, टेक्निक्स पता होना जरूरी है। चूंकि यह क्षेत्र एक डायनेमिक है तो लोगों के लिए काफी जॉब ऑप्शन मौजूद है। इंटरनेट मार्केटिंग के क्षेत्र में कई तरह के अवसर मौजूद है आप सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन, सोशल मीडिया मार्केटिंग, कॉपीराइटर, लिंक बिल्डिंग, सर्च इंजन मार्केटिंग, ई-मेल मार्केटिंग, ऑनलाइन एडवरटाइजिंग में काम कर सकते हैं। अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में डिमांड है। ऑफलाइन जो भी मार्केटिंग की जाती है अब ऑनलाइन मार्केटिंग में भी शामिल हो गई है। इंटरनेट मार्केटिंग उन जॉब्स में से एक है जो कि एक बड़ा ग्रोथ देगा।

यूं खुलेगा वेब वर्ल्ड का रास्ता

वेबसाइट, पोर्टल या ब्लॉग को लॉन्च करना तो बेहद आसान है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती है वेबसाइट, पोर्टल या ब्लॉग की मार्केटिंग। ऐसे में ऑनलाइन मार्केटिंग या इंटरनेट मार्केटिंग की भूमिका सामने आती है। इंटरनेट मार्केटिंग कंपनियों और कंज्यूमर्स को कनेक्ट करती है। इंटरनेट मार्केटिंग के जरिए वेब वर्ल्ड का रास्ता खुलता है, जो एक वेबसाइट या ब्लॉग की प्राइमरी रिक्वॉयरमेंट है।

ये क्वॉलिटीज बढ़ाएंगी आपके लिए रोजगार के अवसर

किसी भी एम्प्लॉई को हायर करने के लिए एक एम्प्लॉयर उसमें कई तरह की क्वॉलिटीज सर्च करता है। जानें कौन सी वह पांच क्वॉलिटीज हैं जो आप खुद में डेवलप करके अपनी एम्प्लॉयबिलिटी बढ़ा सकते हैं।

क्या आप बेस्ट हैं

आपकी क्वॉलिफिकेशन आपके अप्लाइड रोल को जस्टिफाई करनी चाहिए। इंटरव्यूअर के पूछे गए इस क्वेश्चन के आंसर को आप अपने अचीवमेंट्स और गोल्स के साथ सपोर्ट कर सकते हैं। इस बात का ध्यान हमेशा रखें कि आपके अलावा भी यहां और कैंडिडेट्स हैं जो आपका कॉम्पिटीशन बन सकते हैं।

क्या आप एक भविष्य के लीडर हैं ?

हर कंपनी किसी ऐसे कैंडिडेट को रिक्रूट करना चाहती है जिसका फ्यूचर विजन क्लीयर हो। कंपनी हमेशा किसी ऐसे कैंडिडेट को रिक्रूट करना चाहेगी जो अपने विजन को पूरी प्लानिंग के साथ कंप्लीट कर सके।

आप खुद को कितनी अच्छी तरह जानते हैं ?

यह क्वेश्चन हर इंटरव्यू में पूछा ही जाता है। इस क्वेश्चन से इंटरव्यूअर यह जानना चाहता है कि कैंडिडेट कितने ऑर्गनाइज्ड और कंसाइज तरीके खुद को डिस्क्राइब करते हैं। इसलिए इस आंसर में अपनी पर्सनालिटी के हर कॉर्नर को कवर करें।

टीमवर्क

किसी भी कैंडिडेट को रिक्रूट करने से पहले इंप्लॉयर यह जरूर देखता है कि क्या वह कैंडिडेट टीम के साथ एफिशियंटली कॉर्डिनेट करके काम कर पाएगा या नहीं। बेस्ट एम्प्लॉई वही होता है जो अपनी टीम को साथ में लेकर प्रोजेक्ट को कंप्लीट करे।

अपने रिपोर्टिंग मैनेजर से डील करना

अपने मैनेजर को रिपोर्ट करने का मतलब यह नहीं कि आप उनकी हर बात में हां में हां मिलाएं लेकिन इसमें यह चेक किया जाता है कि आप किस तरह से अपने व्यूज, सजेशंस और इनपुट्स उनके सामने रखते हैं। आइडियल कैंडिडेट वही है जिसे पता होता है कि कौन और क्या सही है।

संक्षिप्त खबरें

युवकों ने कालोनी में की हवाई फायरिंग, हडकंप

हरिद्वार। रानीपुर कोतवाली क्षेत्रांर्तगत शिवलोक कॉलोनी में सोमवार देर रात युवकों के हवाई फायरिंग करने से क्षेत्र में सनसनी मच गई। फायरिंग करने के बाद युवक मौके से फरार हो गए। फायरिंग करने वालों की संख्या तीन से चार बताई गई है। शिवलोक कॉलोनी के वाटर बॉक्स क्षेत्र के निवासियों ने बताया कि देर रात तीन से चार युवक बाइक पर सवार होकर आए और उनमें से एक युवक ने हवाई फायरिंग की, जिसके चलते इलाके के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। इस संबंध में रानीपुर कोतवाली प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि फायरिंग करने की सूचना शिवलोक क्षेत्रवासियों ने दी है। सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस जांच कर रही है।

दो बाइक में टक्कर, एक युवक की मौत

फतेहाबाद। रतिया-टोहाना रोड पर शेरगढ़ ढाणी के पास दो मोटरसाइकिलों में आमने-सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाईक सवार युवक की मौत हो गई जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मंगलवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस को दी शिकायत में गांव अहरवां निवासी सुनील कुमार ने कहा है कि उसका भाई रवि गांव में ही नाई की दुकान करता था।

महिला से पांच लाख की ठगी, केस दर्ज

फतेहाबाद। सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर टोहाना में रह रहे एक युवक ने महिला से पांच लाख रुपये ठग लिए। महिला ने जब पैसे वापस मांगे तो आरोपी ने उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद महिला ने पुलिस को शिकायत दी, जिस पर पुलिस ने मंगलवार को धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव डांगरा निवासी सुनीता देवी ने कहा है कि कुछ महीने पहले उसकी टोहाना में नंदीशाला के पास किराये के मकान में रहने वाले राजेश कुमार निवासी गांव पिपलथा, जिला जींद के साथ जान-पहचान हुई।

पुलिस ने फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना में एक रेहड़ी चालक के गल्ले से नकदी निकालने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान धर्मपाल उर्फ विक्की पुत्र बिल्लू राम निवासी मनियाना, थाना मूनक, पंजाब के रूप में हुई है। इस मामले में एक आरोपी अजय पुत्र बलदेव निवासी मनियाना को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जानकारी देते हुए थाना शहर टोहाना प्रभारी प्रह्लाद सिंह ने बताया कि पुलिस ने इस बारे में 14 मार्च को पंजाबी कालोनी निवासी अशोक की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

देसी शराब के साथ चार गिरफ्तार

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश एसटीएफ(स्पेशल टास्क फोर्स) की नोएडा इकाई ने सोमवार को थाना सूरजपुर क्षेत्र के यूपीसीडा साइट के सी ब्लॉक में चल रही मिलावटी देसी शराब बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। एसटीएफ ने मौके से चार लोगों को को गिरफ्तार किया है। मौके से से भारी मात्रा में शराब बरामद हुई है। ये ल लोग मिलावटी शराब को बनाकर यूपी के विभिन्न जनपदों के शराब के ठेके पर काम करने वाले सेल्समैनों से मिली भगत करके बेचते हैं। इससे पूर्व ये लोग जनपद बुलंदशहर में अवैध रूप से शराब बनाने की फैक्ट्री चला रहे थे।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में चार गिरफ्तार

मेरठ। मेरठ में सोमवार की देर रात पुलिस के साथ हुई दो अलग-अलग मुठभेड़ में दो बदमाश घायल हो गए। इन मुठभेड़ों में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खरखौदा थाना क्षेत्र के बिजौली गांव निवासी अनिता त्यागी पत्नी रामभूल त्यागी सोमवार शाम को ऑटो से अपने घर जा रही थी। जब अनिता लोहिया नगर सब्जी मंडी के पास पहुंची तभी दो बाइक सवार बदमाशों ने हथियारों के बल पर अनीता के कुंडल लूट लिए थे। महिला ने मामले को लेकर लोहियानगर थाने में तहरीर दी। सोमवार की देर रात पुलिस को सूचना मिली की वह लूट करने वाले बदमाश गांव चंदौड़ी के पास दूसरी घटना को अंजाम देने के लिए खड़े हैं। इस पर पुलिस ने बदमाशों की घेराबंदी कर ली, लेकिन बदमाशों ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

पुलिस ने दो आरोपी को किया गिरफ्तार

बिजनौर। जनपद के थाना शेरकोट पुलिस ने परमवाला पुल के बैरियर लगाकर चेकिंग करते हुए एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देख मोटर साइकिल सवारों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी और भागने लगे। जवाब में पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में दोनों बदमाश के पैरों में गोली लग गई, जिससे दोनों बदमाश घायल हो गए। पुलिस पूछताछ में घायल बदमाशों ने अपना नाम आरिफ उर्फ रावर्ट पुत्र इंतजार निवासी मोहल्ला नोघा कस्बा, थाना नहटौर व दूसरा नदीम पुत्र इस्लामुद्दीन निवासी ग्राम हरनांव चंदन थाना नगीना के रहने वाला बताए हैं गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से सफेद धातु के आभूषण, नकदी, अवैध शराब तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई।

बख्शे न जाएं गरीबों को उजाड़ने का दुस्साहस करने वाले : योगी

- सरकार हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है
- राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो

गोरखपुर। एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि गरीबों को उजाड़ने का दुस्साहस करने वाले माफिया, दबंगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। गरीबों की जमीन तो बचाई ही जाएगी, साथ ही जिन भी जरूरतमंदों को अभी पक्का मकान नहीं मिल पाया है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। सीएम योगी ने उक्त निर्देश मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और समस्या सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। उनकी बात इत्मीनान से सुनने के बाद पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वस्त किया कि प्रभावी कार्रवाई करते हुए सबकी समस्या का समाधान हर हाल में किया जाएगा। जमीन कब्जा किए जाने की कुछ शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देगी और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी ने कहा कि राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें।

सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण को प्रतिबद्ध : किशोरी

धर्मशाला। एजेंसी

मुख्य संसदीय सचिव, पशुपालन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज किशोरी लाल ने मंगलवार को बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र के धार चढ़ियार में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान सीपीएस ने बिजली, पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा से सम्बंधित लगभग 150 लोगों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को इनको शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने सामुदायिक भवन के प्रांगण में औषधीय पौधा बेहड़ा रोपित किया। सीपीएस किशोरी लाल ने कहा कि प्रदेश सरकार, समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार सुशासन की सरकार है और लोगों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के लिए उचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता पर हल किया जाए और किसी को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगवाए जाएं। किशोरी लाल ने कहा कि चौबू भुलाना मार्ग पर भूस्खलन के कारण सड़क अवरुद्ध हो गई थी, जिसे लोक निर्माण विभाग ने समयबद्ध बहाल किया है। इससे पहले, सीपीएस ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

तूफान के टकराने से सागर में डूबी सुपरयॉट

लंदन। एजेंसी

दक्षिणी इटली के तट पर आए तेज तूफान के बाद एक सुपरयॉट के डूबने के बाद से ब्रिटेन के व्यवसायी माइक लिंच लापता हैं। हाल ही में लिंच को अमेरिका में 11 बिलियन डॉलर की धोखाधड़ी मामले में बरी किया गया था। यह जानकारी इटली की सिविल प्रोटेक्शन एजेंसी ने साझा की। अचानक तूफान आने से द बायेसियन पलेर्मो के पूर्व में पोर्टिसेलो के पास खड़ी 56 मीटर लंबी लग्जरी सुपरयॉट पोर्टिसेलो के पास खड़ी थी। जो सागर में डूब गई। सिविल प्रोटेक्शन एजेंसी के साल्वो कोकिना के अनुसार सिसिली तट पर तूफान और बारिश के बीच लग्जरी यॉट के डूबने के बाद बचाए गए 15 लोगों में लिंच की पत्नी भी शामिल हैं जबकि छह अन्य लापता हैं। इतालवी अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है। 59 वर्षीय लिंच को जून की शुरूआत में सैन फ्रांसिस्को की एक अदालत ने बरी किया था। उन पर अपनी सॉफ्टवेयर फर्म ऑटोनॉमी को हेवलेट-पैकार्ड को बेचने से जुड़े बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। लिंच ने 1996 में कैम्ब्रिज में ऑटोनॉमी की सह-स्थापना की। आपराधिक आरोपों पर मुकदमा चलाने के लिए उन्हें ब्रिटेन से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया था। लिंच को दो दशक तक जेल में भी रहना पड़ा था। उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई की। लिंच एक प्रसिद्ध प्रौद्योगिकी क्षेत्र के उद्यमी और निवेशक हैं।

विदेश भेजने के नाम पर पांच लाख ठगे, मां-बेटे पर केस दर्ज

फतेहाबाद। विदेश भेजने के नाम पर टोहाना के एक मां-बेटे द्वारा एक युवक से 5 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। इस बारे पीड़ित युवक की शिकायत पर टोहाना पुलिस ने आरोपी मां-बेटे के खिलाफ मंगलवार को केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में उकलाना के गांव लितानी निवासी अंकुश ने कहा है कि जशन व उसकी मां रीतू निवासी मढ़िया गली, नजदीक सिटी पुलिस स्टेशन टोहाना ने उसे विदेश भेजने की बात कही और इसके लिए आठ लाख 50 हजार में सौदा तय किया। इस पर उसने पांच लाख रुपये इन लोगों को एडवांस दे दिए जबकि बकाया राशि जश्न को इटली पहुंचने के बाद अदा करने की बात कही। इस पर जश्न ने उसे निर्धारित समय में इटली भेजना था लेकिन न तो जश्न ने उसे इटली भेजा और न ही कभी उसका इटली का वीजा लगवाया। अंकुश ने आरोप लगाया कि उसका पासपोर्ट भी आरोपी के कब्जे में है।

पूर्वी यूक्रेन के एक और शहर पर रूस का कब्जा

53 हजार लोगों को खाली करने का आदेश

मॉस्को। एजेंसी

रूस पर यूक्रेन के ताजा हमलों के बीच रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के एक और शहर पूर्वी यूक्रेन के डोनेस्क क्षेत्र में जालिजने टाउन पर कब्जा कर लिया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि उसके सुरक्षाबलों ने पूर्वी यूक्रेन के डोनेस्क क्षेत्र में जालिजने टाउन पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही रूस डोनेस्क क्षेत्र के ही टोरेस्क और पोकरोवस्क की ओर आगे बढ़ रहा है। वहीं यूक्रेन ने कुर्स्क में सोमवार को सियाम नदी पर बने तीसरे पुल को नष्ट कर दिया है। दूसरी ओर, रूस के कुर्स्क क्षेत्र के बड़े हिस्से पर नियंत्रण कर चुकी यूक्रेनी सेना की स्थिति मजबूत करने में लगी है। उसने सोमवार को यहां एक और पुल को नष्ट कर दिया है। रूस जालिजने को सोवियत काल के एर्टियोमोवो नाम से पुकारता है। इसे माइनिंग टाउन के रूप में जाना जाता है। यह डोनबास क्षेत्र में लंबे समय से यूक्रेनी बलों के अभियान का आधार बना हुआ था। जंग से पहले जालिजने की आबादी पांच हजार थी, जबकि टोरेस्क में 30 हजार लोग निवास करते हैं। वहीं, यूक्रेन के स्थानीय प्राधिकारियों ने सोमवार को पोकरोवस्क शहर के नागरिकों को क्षेत्र को खाली करने का आदेश जारी किया है। यहां 53 हजार लोग रहते हैं। आशंका जाहिर की है कि रूसी सेना यहां बहुत जल्द पहुंच सकती है। दूसरी ओर, जर्मनी द्वारा यूक्रेन को अपनी बजट मजबूरियों को हवाला देकर सहायता रोकने से सोमवार को यूरोपीय स्टॉक गिर गया। मीडिया के हवाले से शनिवार को कहा गया था कि जर्मनी के वित्त मंत्रालय ने यूक्रेन को सैन्य सहायता को मंजूरी नहीं दी है। रूस ने जांचकर्ताओं के हवाले से कहा गया है कि यूक्रेन ने कुर्स्क में सोमवार को सियाम नदी पर बने तीसरे पुल को नष्ट कर दिया है। इस क्षेत्र में यूक्रेनी बलों ने दो सप्ताह पहले घुसपैठ की थी।

अगस्त माह में टमाटर की रोपाई का सर्वोत्तम समय: डॉ. अनिल कुमार

कानपुर। एजेंसी

टमाटर में लाइकोपीन नामक वर्णक (पिगमेंट) पाया जाता है, जिसे विश्व का सबसे महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट बताया जाता है। किसान वैज्ञानिक विधि से इसकी खेती करे तो अधिक लाभ होगा। अगस्त माह टमाटर की रोपाई के लिए सबसे सर्वोत्तम समय है। यह जानकारी मंगलवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि टमाटर एक लोकप्रिय सब्जी है। टमाटर में कार्बोहाईड्रेट, विटामिन, कैल्शियम, आयरन तथा खनिज लवण प्रचुर मात्रा में पाए जाते है। इसके फल में लाइकोपीन नामक वर्णक (पिगमेंट) पाया जाता है, जिसे विश्व का सबसे महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट है। इन सबके अतिरिक्त कैरोटिनॉइड एवं विटामिन सी भी टमाटर में प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

टमाटर की खेती कब और कैसे की जाय तो होगा लाभ

डॉ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि टमाटर की रोपाई का सबसे उचित समय अगस्त का महीना होता है, जिससे सर्दियों की शुरूआत में टमाटर निकलना शुरू हो जाते हैं। टमाटर की रोपाई पौधे से पौधे एवं पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 x 60 सेंटीमीटर रखने को कहा। पौध रोपाई के बाद सिंचाई कर देने की सलाह दी। इसकी खेती यदि मेड़ बनाकर टमाटर की रोपाई किसान भाई करते हैं तो सिंचाई जल एवं स्थान का उचित उपयोग हो जाता है। टमाटर की फसल में खरपतवार नियंत्रण के बारे में बताया कि कुदाल या खुरपी से निराई करना हितकर होता है। जिससे पौधों की जड़ों में वातायन होता है और फसल अच्छी होती है।

डॉ. सिंह ने बताया कि अंतः फसल के रूप में धनिया,कद्दू वर्गीय, गोभी वर्गीय फसलें ली जा सकती हैं, जिनसे अतिरिक्त आय से लाभ होता है। रोग और कीड़ों से मुख्य फसल को बचाने के लिए पर्यावरणीय अभियंत्रण के अंतर्गत खेत के चारों तरफ एवं प्रत्येक 10 लाइन मुख्य फसल के बाद एक लाइन गेंदा की रोपाई करें। जिससे कि माद कीट मुख्य फसल को छोड़कर गेंदा के पौधों पर अपना अंडा रखेगी। फलस्वरूप टमाटर की फसल में होने वाली क्षति कम होगी।

प्रस्तावित आईटी पार्क में अत्याधुनिक सुविधाओं को करें शामिल : राजेंद्र

भोपाल। एजेंसी

उप मुख्यमन्त्री राजेंद्र शुक्ल ने मंगलवार को मंत्रालय में रीवा में प्रस्तावित आईटी पार्क और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने आईटी पार्क के लिए प्रस्तावित स्थल, विभिन्न प्रावधानों, सुविधाओं की समीक्षा कर निर्देश दिये कि आईटी पार्क में अत्याधुनिक सुविधाओं को शामिल किया जाये। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा में प्रस्तावित रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव की तैयारियों की जानकारी भी प्राप्त की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव को सफल बनाकर क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए समेकित प्रयास किए जायें। उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रावधानों को भी योजना में शामिल किया जाये। उप मुख्यमंत्री ने मल्टी-परपज आईटी पार्क गुढ़ और सोलर पार्क के लिए आवश्यक आधारभूत आवश्यकताओं के लिए निर्देश दिये। बैठक में एमडी एमपीआईडीसी चन्द्रमौली शुक्ला सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जींद का बेटा जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से मुठभेड़ में शहीद

जींद। जींद के गांव निडानी निवासी सीआरपीएफ में इंस्पेक्टर कुलदीप मलिक जम्मू कश्मीर में आतंवादियों से मुठभेड़ में शहीद हो गए हैं। पिछले 44 दिन में जींद के दो जवान देश पर अपनी जान न्योछावर कर चुके हैं। हरियाणा के जींद जिले के गांव निडानी निवासी सीआरपीएफ इंस्पेक्टर कुलदीप मलिक जम्मू-कश्मीर के उधमपुर के बसंतगढ़ इलाके में आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में शहीद हो गए हैं। देर रात उनके शहीद होने की सूचना आने के बाद गांव में मातम छा गया। सूचना मिलते ही उनके घर पर गांव के लोगों का आना शुरू हो गया। 54 वर्षीय कुलदीप जल्द ही डीएसपी के पद पर पदोन्नत होने वाले थे। देश के लिए आतंक से लोहा लेते हुए 44 दिन के भीतर हरियाणा में जींद की माटी के दूसरे लाल ने वीरगति पाई है। इससे पहले सात जुलाई को जाजनवाला के लांस नायक पैरा कमांडो प्रदीप नैन शहीद हुए थे। अब उधमपुर में सोमवार को निडानी का लाल सीआरपीएफ इंस्पेक्टर कुलदीप मलिक शहीद हुए है।

पुस्तकालय दून पुस्तकालय में बाल अनुभाग शुरू, बच्चों की होगी किताबों की दुनिया, बढ़ेगा भाषाई ज्ञान

बाल पुस्तकालय में बच्चों के साहित्य का व्यापक संग्रह

- बच्चों में साहित्य-संस्कृति के प्रति बढ़ेगी रुचि

देहरादून। एजेंसी

कहते हैं बच्चे देश-समाज का भविष्य होते हैं और पुस्तकें उनका आईना। पुस्तकें ज्ञान का भंडार तो होती हैं साथ-साथ हमारी सबसे अच्छी दोस्त भी होती हैं। बच्चों को स्कूली जीवन से ही साहित्य-संस्कृति में अभिरुचि के लिए प्रेरित करने को लेकर दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में बाल अनुभाग की शुरूआत हो गई है। बाल अनुभाग बच्चों के लिए अब कार्यक्रम भी करने लगा है। इससे विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से इतर ज्ञान पाने की सुविधा मिलेगी। ऐसा माना नहीं जाता यह सत्य है कि किताबें व्यक्ति की अच्छी दोस्त, पथ प्रदर्शक, प्रेमिका और पता नहीं क्या-क्या होती हैं। बचपन से लेकर बुढ़ापे तक हम किताब से जुड़े रहते हैं। पहले स्कूल और प्रतियोगिता के किताबों से और बाद में साहित्य और धर्म के किताबों से। साहित्य के अध्ययन से मानवीय संवेदना व ज्ञान का विकास होता है। साहित्य में अभिरुचि होने से व्यक्ति सकारात्मकता की ओर जाता है। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र के प्रोग्राम एसोसिएट चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि बाल पुस्तकालय में बच्चों के साहित्य का व्यापक संग्रह किया जा रहा है।

वर्तमान में एक हजार के करीब हिंदी, अंग्रेजी के अलावा गढ़वाली, कुमाऊनी और जौनसारी बोली-भाषा में प्रकाशित बाल साहित्य का संग्रह है। यह भी प्रयास किया जा रहा है कि बच्चों को किताबों से प्रेम करने के साथ कहानी सुनाने, फिल्म दिखाने व विविध रचनात्मक गतिविधियों से सीखने की प्रक्रिया को निरंतर

बच्चों की ज्ञान की भूख शांत करने के साथ शंकाओं का निवारण करेगा बाल पुस्तकाल

दून पुस्तकालय के प्रोग्राम एसोसिएट चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि भाषा मुख से उच्चारित होने वाली वह ध्वनि है जिसका प्रयोग मनुष्य अपने मन के विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए करता है। बच्चों में भाषा ज्ञान में वृद्धि से तात्पर्य उन्हें विभिन्न संदर्भ में भाषा प्रयोग में सफल बनाना है, ताकि वे दक्षता के साथ सहज अभिव्यक्ति के विकास को सुनिश्चित कर सकें। विद्यार्थियों की पढ़ने में रुचि जगाने एवं भाषा-ज्ञान में वृद्धि के लिए पाठ्य-पुस्तक के अतिरिक्त अन्य पठन सामग्री जैसे समाचार पत्र, जीवनियां, बाल साहित्य, उपन्यास आदि का उपयोग करना सार्थक प्रयास होगा। बाल पुस्तकाल उनकी ज्ञान की भूख शांत करने के साथ शंकाओं का भी निवारण करेगा।

बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह पांच नए बाल सदस्य बने हैं और 100 से अधिक बच्चों, शिक्षकों, उनके अभिभावकों व अन्य लोगों ने इसका अवलोकन किया है। पुस्तकालय में बाल सदस्यता के लिए 500 रुपये की आधार सुरक्षा जमा राशि के साथ 100 रुपये वार्षिक सदस्यता निर्धारित है। बाल पुस्तकालय सप्ताह में शुक्रवार और शनिवार के दिन खुलता है।

ऐतिहासिक कजली महोत्सव का आगाज, वीरता की याद में लगता है मेला

महोबा। एजेंसी

ऐतिहासिक कजली महोत्सव का आगाज मंगलवार को हुआ है जिसका शुभारंभ फीता काटकर एमएलसी ,पूर्व सांसद और सदर विधायक के द्वारा किया गया है। भव्य शोभायात्रा में आल्हा ,ऊदल ,रानी मलहना, राजकुमारी चंद्रावल समेत अन्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं हैं। जुलूस देखने को बुंदेलखंड समेत अन्य प्रदेशों के लोग भी महोत्सव में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। मंगलवार को बुंदेलखंड के ऐतिहासिक मेला कजली महोत्सव की भव्य शोभा यात्रा का शुभारंभ पूर्व सांसद कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर ,सदर विधायक राकेश गोस्वामी ,हमीरपुर डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष चक्रपाणि त्रिपाठी ,नगर पालिका अध्यक्ष डॉ संतोष चौरसिया, जिलाधिकारी मृदुल चौधरी द्वारा फीता काटकर किया गया।

संक्षिप्त खबरें

जर्मनी के कप्तान गुंडोगन ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

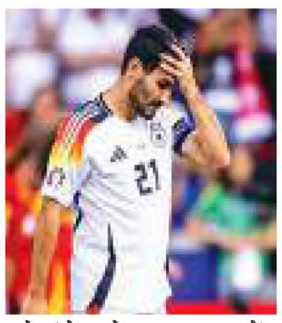

बर्लिन। घरेलू धरती पर यूरो 2024 में जर्मनी की कप्तानी करने वाले इल्के गुंडोगन ने सोमवार को सोशल मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। अनुभवी मिडफील्डर ने 33 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी से हटने का फैसला किया। अपने देश के लिए 82 मैचों में 19 गोल करने वाले गुंडोगन ने कहा कुछ हफ़्तों के चिंतन के बाद, मैंने फैसला किया है कि अब अपने राष्ट्रीय टीम करियर को समाप्त करने का समय आ गया है। मुझे अपने देश के लिए 82 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने पर गर्व है, एक ऐसी संख्या जिसके बारे में मैंने 2011 में अपने सीनियर पदार्पण के समय कभी सपने में भी नहीं सोचा था।

मैदान पर उतरने के लिए उत्सुक हुं : ईशांत शर्मा

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली 6 के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा मैदान पर वापस आने और यहां नई दिल्ली के प्रतिष्ठित श्री अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। पुरानी दिल्ली 6 मंगलवार को ईस्ट दिल्ली राइडर्स से भिड़ेगी और बुधवार को वेस्ट दिल्ली लायंस से भिड़ेगी। ईशांत ने आखिरी बार सफेद गेंद वाला मैच आईपीएल 2024 में खेला था लेकिन अब वह डीपीएल में मैदान पर उतरने के लिए उत्सुक है। ईशांत शर्मा ने एक बयान में कहा डीपीएल के लिए तैयारी अच्छी रही है। आईपीएल के बाद मुझे अभ्यास के लिए ज्यादा समय नहीं मिला। बस अपनी फ्रेंचाइजी के लिए थोड़ी और तैयारी करूंगा और मैं डीपीएल में मैदान पर उतरने के लिए तैयार हो जाऊंगा।

पहले दौर में हारकर बाहर हुईं अश्मिता चालिहा, मालविका बंसोड़

योकोहामा। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा और मालविका बंसोड़ मंगलवार को यहां जापान ओपन के महिला एकल स्पर्धा के शुरूआती दौर में हारकर बाहर हो गईं। अश्मिता को चीनी ताइपे की शीर्ष वरीयता प्राप्त ताई त्जु यिंग के हाथों 16-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि मालविका को यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा ने 21-23, 19-21 से हराया। बाद में, आकर्षि कश्यप बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट के अपने शुरूआती दौर के मैच में कोरिया की किम गा यून से भिड़ेंगी। मिश्रित युगल में, सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियाथ की भारतीय जोड़ी अपने अभियान की शुरूआत इंडोनेशिया के रेहान नौफल कुशारजंतो और लिसा आयु कुसुमावती की जोड़ी के खिलाफ करेगी। हाल ही में समाप्त हुए पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले कोई भी भारतीय शटलर इस इवेंट में नहीं खेल रहे हैं।

डेरियस ने युवराज सिंह का तोड़ा टी20 रिकॉर्ड

- डेरियस विजसर ने एक ही ओवर में बनाए 39 रन
- टी20 ई प्रारूप में एक ही ओवर में सबसे अधिक रन बनाने का नया रिकॉर्ड बनाया
- टी20 ई प्रारूप में एक ही ओवर में 36 रन बनाए थे

नई दिल्ली। एजेंसी

समोआ के बल्लेबाज डेरियस विजसर ने मंगलवार को दिग्गज भारतीय खिलाड़ी युवराज सिंह का रिकॉर्ड तोड़ दिया। टी20 विश्व कप क्वालीफायर में विजसर ने एक ही ओवर में 39 रन बनाकर खेल के टी20ई प्रारूप में एक ही ओवर में सबसे अधिक रन बनाने का नया रिकॉर्ड बनाया। विजसर ने युवराज (2007), किरोन पोलार्ड (2021), दीपेंद्र सिंह ऐरी (2024) और निकोलस पूरन (2024) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इन सभी ने टी20ई प्रारूप में एक ही ओवर में 36 रन बनाए थे। इस प्रक्रिया में, विजसर खेल के टी20ई प्रारूप में शतक बनाने वाले पहले समोआ क्रिकेटर भी बन गए। विजसर की 62 गेंदों में 132 रन की पारी की मदद से समोआ ने मंगलवार को 2026 विश्व कप क्षेत्रीय क्वालीफायर में वानुअतु पर 10 रन से जीत दर्ज की। 62 गेंदों में 132 रन बनाने वाले विजसर 46 रन पर थे, जब वानुअतु के नलिन निपिको 15वां ओवर फेंकने के लिए आए, जिसमें समोआ के बल्लेबाज ने छह गेंदों पर 6 छक्के लगाए, इस दौरान निपिको ने तीन नो बॉल भी फेंकी। निपिको ने ओवर की पांचवीं गेंद डॉट बॉल फेंकी, लेकिन इसके बाद दो नो बॉल आईं, जिसमें 28 वर्षीय बल्लेबाज ने दूसरी गेंद पर छक्का लगाया। विजसर ने 14 छक्कों और पांच चौकों के साथ अपनी पारी का समापन किया।

युवराज ने 2007 टी20 विश्व कप मैच में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के लगाए, पोलार्ड ने 2021 में श्रीलंका के अकिला धनंजय के साथ भी यही व्यवहार किया, ऐरी अप्रैल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक ओवर में 6 छक्के लगाने का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स और अमेरिकी बल्लेबाज जसकरन मल्होत्रा के नाम है।

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी विश्व कप क्वालीफायर से बाहर

ब्यूनस आयर्स। एजेंसी

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी चोट के कारण अगले महीने चिली और कोलंबिया के खिलाफ होने वाले विश्व कप क्वालीफायर में नहीं खेल पाएंगे। 37 वर्षीय मेसी को सोमवार को अर्जेंटीना की 28 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया। इससे पहले जुलाई में कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर अर्जेंटीना की जीत के दौरान टखने की चोट से उबरने के लिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया था।

रिवर प्लेट के अनुभवी गोलकीपर फ्रैंको अरमानी और रोमा फॉरवर्ड पाउलो डायबाला को भी टीम में शामिल नहीं किया गया। मिडफील्डर एजेक्विएल फर्नांडीज और स्ट्राइकर वैलेंटिन कैस्टेलानोस को पहली बार टीम में शामिल किया गया, जबकि युवा प्रतिभाओं एलेजांद्रो गानाचो, वैलेंटिन काबोर्नी, वैलेंटिन बार्को और मटियास सोले को भी टीम में शामिल किया गया। अर्जेंटीना 5 सितंबर को ब्यूनस आयर्स में चिली से और पांच दिन बाद बैरेंक्विला में कोलंबिया से भिड़ेगा। अर्जेंटीना वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है, जिसके पास अब तक छह मैचों में 15 अंक हैं।

अर्जेंटीना की टीम इस प्रकार है:-

गोलकीपर : वाल्टर बेनिटेज, गेरोनिमो रूली, जुआन मुसो, एमिलियानो मार्टिनेज।

डिफेंडर : गोंजालो मोंटिएल, नाहुएल मोलिना, क्रिस्टियन रोमेरो, जर्मन पेजेला, लियोनार्डो बालर्डी, निकोलस ओटामेंडी, लिसेंड्रो मार्टिनेज, निकोलस टैगलियाफिको, वैलेंटिन बार्को।

मिडफील्डर : गुइडो रोड्रिगेज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, एंजो फर्नांडीज, जियोवानी लो सेल्सो, एजेक्विएल फर्नांडीज, रोड्रिगो डी पॉल, निकोलस गोंजालेज, लिएंड्रो पेरेडेस।

फॉरवर्ड : एलेजांद्रो गानाचो, मटियास सोले, गिउलिआनो शिमोन, वैलेंटिन काबोर्नी, जूलियन अल्वारेज, लुटारो मार्टिनेज, वैलेन्टिन कैस्टेलानोस।

लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मेंटर की भूमिका में जुड़ सकते हैं जहीर खान

नई दिल्ली। एजेंसी

> खिलाड़ियों और फ्रैंचाइज के प्रबंधन के लिए एक प्रमुख मध्यस्थ भी होंगे

जहीर खान लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मेंटर की भूमिका के लिए बातचीत कर रहे हैं। अगर चल रही बातचीत सफल होती है, तो वह उत्तरी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी में दो प्रमुख हस्तियों की जगह ले सकते हैं। गौतम गंभीर के 2023 में कोलकाता चले जाने के बाद से सुपर जायंट्स में कोई मेंटर नहीं है और मोर्ने मोर्कल के जाने से नई जगह खाली हो गई है। गंभीर और मोर्कल संयोग से या तो पहले ही भारतीय राष्ट्रीय टीम में शामिल हो चुके हैं या शामिल होने वाले हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, जहीर को गंभीर की भूमिका के लिए चुना जा रहा है और वह लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाजों को अपनी विशेषज्ञता भी दे सकते हैं। वह खिलाड़ियों और फ्रैंचाइज के प्रबंधन के लिए एक प्रमुख मध्यस्थ भी होंगे। जहीर को पहले टीम इंडिया में गंभीर की नई व्यवस्था के तहत एक संभावित बॉलिंग कोच के रूप में देखा गया था, विशेष रूप से टीम में और उसके आसपास के युवा और उभरते हुए तेज गेंदबाजों को मेंटर करने के लिए - एक ऐसी भूमिका जिसके लिए उन्हें बहुत सम्मान दिया जाता है। अपने खेल के दिनों में भी, जहीर भारतीय टीम में युवा तेज गेंदबाजों का मार्गदर्शन और मेंटरिंग करने के लिए जाने जाते थे।

भारतीय टीम के साथ जहीर खान की संभावित भूमिका साकार नहीं हो पाई, क्योंकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गंभीर की सिफारिश पर मोर्कल को प्राथमिकता दी। लेकिन पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज को आईपीएल में कोचिंग का व्यापक अनुभव है, उन्होंने पहले मुंबई इंडियंस के साथ काम किया है। लखनऊ सुपर जायंट्स सेटअप में, जहीर मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और कोचों की एक मजबूत टीम के साथ सहयोग करेंगे, जिसमें एडम वोजेस, लांस क्लूजनर और जोंटी रोड्स शामिल हैं।

संजीव गोयनका के स्वामित्व वाली फ्रैंचाइजी में एक और प्रमुख कोच के शामिल होने की भी चर्चा है, जिसका विवरण अभी भी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। 45 वर्षीय जहीर ने भारत के लिए 92 टेस्ट, 200 वनडे और 17 टी20 मैच खेले हैं, साथ ही 100 आईपीएल मैच भी खेले हैं, जिसमें उन्होंने दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) और मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया है।

धामी ने पेरिस ओलंपिक से वापस आए खिलाड़ियों को किया सम्मानित

देहरादून। एजेंसी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मंगलवार को पेरिस ओलिंपिक में प्रतिभाग कर वापस आए खिलाड़ियों अंकिता ध्यानी, परमजीत सिंह और सूरज पंवार ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री आवास पर श्री धामी ने तीनों खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री धामी ने तीनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आगे आने वाली प्रतियोगिताओं में पूरे समर्पण से अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और प्रदेश की जनता उनके साथ है। उल्लेखनीय है कि पेरिस ओलंपिक 2024 में सूरज पंवार ने 42 किमी रेस वॉक मिक्स्ड रिले, परमजीत सिंह ने 20 किमी रेस वॉक एवं अंकिता ध्यानी ने 5000 मीटर में प्रतिभाग किया।

यूनुस ने बीसीबी निदेशक पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। एजेंसी

जलाल यूनुस ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) निदेशक और क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। जलाल का इस्तीफा तब आया है जब बांग्लादेश के 41 विभिन्न खेल निकायों के नियंत्रण प्राधिकरण, राष्ट्रीय खेल परिषद ने उनसे पद छोड़ने को कहा। 1980 के दशक में पेशेवर रूप से खेलने वाले पूर्व तेज गेंदबाज जलाल 1990 के दशक के उत्तरार्ध से खेल आयोजक रहे हैं। वह 2009 से लगातार बीसीबी में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रहे हैं और दिसंबर 2021 में क्रिकेट संचालन प्रमुख बने। जलाल ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा मैंने क्रिकेट के व्यापक हित के लिए इस्तीफा दे दिया है। मैं क्रिकेट को सही तरीके से चलाने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। संविधान के अनुसार मुझे बदलने के उनके इरादे से मैं सहमत हूं। मैं क्रिकेट की प्रगति में बाधा नहीं बनना चाहता। इस बीच, बीसीबी में एनएससी द्वारा नामित दूसरे निदेशक अहमद सज्जादुल आलम ने उसी दिन पद छोड़ने के बोर्ड के अनुरोध को ठुकरा दिया। उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा मैंने उनसे कहा कि चूंकि उन्होंने मुझे एनएससी काउंसलर के रूप में नामित किया था और फिर मैं निदेशक बन गया, इसलिए उन्हें ऐसा करना होगा। वे मेरे बारे में अपना निर्णय मुझे बता सकते हैं। आलम एक अनुभवी खेल आयोजक भी हैं, जो वर्तमान में बीसीबी की टूर्नामेंट समिति के अध्यक्ष हैं।

यूपी टी-20 क्रिकेट लीग में क्रिकेटर मिर्जा दानिश व मोहम्मद शोएब का चयन

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि जनपद के दो युवा क्रिकेटर मिर्जा दानिश आलम व मोहम्मद शोएब का यूपी टी-20 क्रिकेट लीग में चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ी नोएडा सुपर किंग्स टीम की ओर से खेलेगें। एमपीएस क्रिकेट एकेडमी मुरादाबाद के संचालक मिर्जा दानिश आलम काफी समय से क्रिकेट एकेडमी का संचालन कर रहे हैं। वह 30 साल की उम्र के बाद भी वह क्रिकेट में जगह बनाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। वहीं, कुंदरकी के बांहपुर निवासी मोहम्मद शोएब डीपीजीएस एकेडमी में अभ्यास करते हैं।

बल्लेबाजी बांग्लादेश के लिए चिंता का विषय रही है: चंडिका

रावलपिंडी। एजेंसी

पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम की दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले, बांग्लादेश के मुख्य कोच चंदिका हथुरूसिंघे ने सोमवार को स्वीकार किया कि उनके टीम की बल्लेबाजी चिंता तका विषय है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज 21 अगस्त को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगी। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच जेसन गिलेस्पी के लिए पाकिस्तान के टेस्ट कोच के तौर पर पहला काम होगा। दो मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट 30 अगस्त से 3 सितंबर तक कराची में खेला जाएगा। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए हथुरूसिंघे ने कहा कि बांग्लादेश की पिचें परिणाम देने वाली विकेट हैं, जबकि पाकिस्तान की पिचें बल्लेबाजी के लिए अनुकूल हैं। उन्होंने कहा बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से चिंता का विषय रही है, लेकिन एक कारण से नहीं।

वाणिज्य

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का मामूली दबाव भी बना, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने की वजह से शेयर बाजार की रफ्तार तेज हो गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.59 प्रतिशत और निफ्टी 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बीपीसीएल, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, हीरो मोटोकॉर्प, इंडसइंड बैंक और टीसीएस के शेयर 2.40 प्रतिशत से लेकर 1.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर ओएनजीसी, भारती एयरटेल, सिप्ला, टाटा स्टील और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 1.64 प्रतिशत से लेकर 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,253 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,464 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 789 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 26 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 4 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 41 शेयर हरे निशान में और 9 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार सोने-चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। एजेंसी

रक्षाबंधन का त्योहार बीत जाने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार बिना किसी उतार चढ़ाव के सपाट कारोबार करता नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सरार्फा बाजारों में आज भी 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये से लेकर 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,840 रुपये से लेकर 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी आज कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसके कारण दिल्ली सरार्फा बाजार में ये चमकीली धातु भी 85,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह चेन्नई में भी 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,720 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है।

कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य फिसलकर 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरूआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.58 डॉलर यानी 0.75 फीसदी की गिरावट के साथ 77.08 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.68 डॉलर यानी 0.91 फीसदी लुढ़ककर 73.69 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से लगातार दूसरे दिन मजबूती के संकट मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों ने मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद हरे निशान में कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करते रहे। एशियाई बाजारों में भी आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिका में ब्याज दरों में गिरावट की उम्मीद की वजह से उत्साह का माहौल बना हुआ है। इस उत्साह के कारण पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों में भी तेजी बनी रही। डाउ जॉन्स पिछले सत्र के दौरान 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.97 प्रतिशत की तेजी के साथ पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 245.05 अंक यानी 1.39 प्रतिशत उछल कर 17,876.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 40,837.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,356.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

स्व. राजीव गाँधी राजनैतिक नुकसान की परवाह किये बिना देश हित में निर्णय लेते थे : डोटासरा

चमकता राजस्थान

अत्री कुमार दाधीच /जयपुर, 20 अगस्त। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गाँधी की जयंती के अवसर पर प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न हुये।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश, जिला एवं ब्लाक स्तर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम के साथ ही समाज कल्याण, साम्प्रदायिक सौहार्द्र कायम करने, विज्ञान एवं तकनीकी तथा महिलाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा युवाओं के लिये करने योग्य कार्यों से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गाँधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर स्व. राजीव गाँधी के जीवन दर्शन पर विचार गोष्ठी आयोजित हुई। विचार गोष्ठी में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि स्व. राजीव गाँधी ने 18 वर्ष के युवाओं को मताधिकार प्रदान कर देश की उन्नति में एवं लोकतंत्र को मजबूत करने में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की, साथ ही सत्ता का विकेन्द्रीकरण करने हेतु देश की पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करते हुये 73वें व 74वें संविधान संशोधन की नींव रखी। उन्होंने कहा कि स्व. राजीव गाँधी ने देश में आधुनिकीकरण की नींव रखी तथा आज का विकसित भारत जिस तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के आधार पर दुनिया में पहचान रखता है उसका श्रेय स्व. राजीव गाँधी को जाता है। उन्होंने कहा कि स्व. श्री राजीव गाँधी ने देश में शिक्षा क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिये क्रांतिकारी कदम उठाते हुये जवाहर नवोदय विद्यालयों की नींव रखी जिसके तहत गाँवों एवं दूर-दराज के ईलाकों में उत्कृष्ट शिक्षा छात्रों को मिल सकी। उन्होंने कहा कि स्व. राजीव गाँधी ने हमेशा देश की तरक्की एवं विकास के लिये कार्य किया तथा स्वयं का नुकसान होने पर भी देश हित में राजनीतिक निर्णय लेने में कमी नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि स्व. राजीव गाँधी ने मणिपुर एवं असम राज्यों में शांति समझौते कराये तथा मिजोरम व अरूणाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया। साथ ही पंजाब में शांति स्थापना हेतु महत्वपूर्ण कार्य किये, जबकि इनसे राजनैतिक नुकसान तो हुआ, किन्तु सभी निर्णय देश हित में लिये गये। उन्होंने कहा कि एक तरफ स्व. राजीव गाँधी जो राजनैतिक नुकसान की परवाह किये बगैर देश हित में निर्णय लेते थे, लेकिन आज केन्द्र व प्रदेश में ऐसी सरकारों का शासन है जो स्वयं की राजनीति चमकाने तथा राजनैतिक लाभ के लिये देश का नुकसान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश की फासीवादी सरकार के विरूद्ध यदि कोई आवाज उठा रहा है तो वे उन्हीं स्व. राजीव गाँधी के सुपुत्र राहुल गाँधी हैं जिनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी भाजपा की केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरूद्ध लगातार संघर्षरत है। उन्होंने कहा की कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी इसलिये बढ़ गई है क्योंकि देश और समाज में विघटन पैदा करने वाले तत्व सत्ता का संरक्षण प्राप्त किये हुये हैं तथा सत्ता प्राप्ति के लिये भाजपा देश हित में निर्णय लेने की बजाये राजनैतिक लाभ हेतु केन्द्र में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के समस्त कार्यकर्ता आज संकल्प के साथ जायें कि स्व. राजीव गाँधी के दिखाये हुये मार्ग पर चलते हुये अपने-अपने क्षेत्रों में भाजपा की केन्द्र सरकार की गलत नीतियों एवं गलत कार्यों को जनता के बीच उजागर करते हुये भाजपा को देश व प्रदेश की सत्ता से हटाने हेतु जुट जाये।

विचार गोष्ठी में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, पूर्व विधायक संयम लोढा, समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व चेयरमेन डॉ. अर्चना शर्मा एवं प्रोफेसर परेश व्यास ने भी स्व. श्री राजीव गाँधी के जीवन दर्शन एवं देश की उन्नति हेतु उनके द्वारा किये गये कार्यों पर अपने विचार प्रकट किये। संगोष्ठी में प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. बी. डी. कल्ला, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रामबिलास चौधरी, घनश्याम मेहर, रमेश खण्डेलवाल, महासचिव रामसिंह कस्वा, जसवंत गुर्जर, स्वर्णिमत चतुर्वेदी, देशराज मीणा, मोहन डागर, इन्द्राज गुर्जर, राजेश चौधरी, श्रीमती प्रतिष्ठा यादव, सूरज बागड़ा, गिरिराज खण्डेलवाल, श्रीमती अनीता मीणा, श्रीमती विभा माथुर, विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, प्रशांत सहदेव शर्मा, नमोनारायण मीणा, पूर्व सांसद अश्कअली टाक, पूर्व मंत्री बृजकिशोर शर्मा, श्रीमती शकुंतला रावत, बाबूलाल नागर, वीरेन्द्र बेनीवाल, पूर्व विधायक श्रीमती कृष्णा पूनियां, श्रीमती गंगादेवी वर्मा, नवरंग सिंह, डॉ. अर्चना शर्मा, मुमताज मसीह, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष आर. आर. तिवाड़ी, प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक हेमसिंह शेखावत, धर्मेन्द्रसिंह राठौड़, राजीव अरोड़ा, रामसिंह राव, श्रीमती मंजू शर्मा, संदीप शर्मा, सत्येन्द्र भारद्वाज, हरसहाय यादव, मोहम्मद शरीफ, जयकिशन, अब्दुल हफीज जयपुरी, सी. एल. यादव, अब्दुल अजीज मंसूरी, राजेश कटारा, राजीव त्रेहन महेन्द्रसिंह खेड़ी, प्रद्युम्नसिंह राठौड़, शरीफ खान, शकुंतला शर्मा, सी. पी. शर्मा, गोपाल नावरिया, राजेन्द्र शर्मा सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक 31 अगस्त-1-2 सितंबर 2024 को केरल के पालक्काड में

चमकता रास्थान/जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक इस वर्ष केरल के पालक्काड में इस माह दिनांक 31 अगस्त एवं 1 तथा 2 सितंबर 2024 को आयोजित हो रही है। तीन दिवसीय यह अखिल भारतीय बैठक सामान्यतः वर्ष में एक बार आयोजित की जाती है। पिछले वर्ष यह बैठक सितंबर 2023 में पुणे में संपन्न हुई थी। इस अखिल भारतीय समन्वय बैठक में संघ प्रेरित विविध संगठनों में कार्यरत संगठन के प्रमुख पदाधिकारी सहभागी होते हैं। यह सभी संगठन समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के सकारात्मक कार्यों में लोकतांत्रिक पद्धति से सामाजिक परिवर्तन के कार्य में सक्रिय रहते है।

बैठक में विविध संगठन के कार्यकर्ता अपने कार्य की जानकारी तथा अनुभवों का निवेदन तथा आदान-प्रदान करेंगे। राष्ट्रीय हित के विभिन्न विषयों के संदर्भ में वर्तमान परिदृश्य, हाल में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं तथा सामाजिक परिवर्तन के अन्यान्य आयामों पर योजनाओं के संदर्भ में बैठक में चर्चा होगी। सभी संगठन विविध विषयों पर परस्पर सहयोग तथा समन्वय को और अधिक बढ़ाने हेतु आवश्यक उपायों पर भी चर्चा करेंगे।

इस बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन जी भागवत, सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले सहित संघ के सभी छह सह सरकार्यवाह और अन्य प्रमुख पदाधिकारी भाग लेंगे। इस बैठक में राष्ट्र सेविका समिति, वनवासी कल्याण आश्रम, विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती, भारतीय मजदूर संघ सहित 32 संघ प्रेरित विविध संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन मंत्री एवं प्रमुख पदाधिकारी सहभागी होंगे

हाथरस जनपद के सिकंद्राराऊ क्षेत्र के गांव फुलराई मुगल गढ़ी एकाएक हादसे में ग्वालियर मृतक रामश्री के घर वालों को पचास हजार रुपए की सहायता राशि सौपी

चमकता राजस्थान/ ग्वालियर (संवाददाता की रिपोर्ट) । दिनांकः- 2 जुलाई 24 को ग्राम फुलरही सिकंद्राराऊ जनपद हाथरस(उत्तरप्रदेश) सत्संग में एकाएक हुए हादसे में मृतक रामश्री पत्नी दयाल सिंह निवासी जगजीवन नगर मोरार ग्वालियर(मध्य प्रदेश) के परिवारजन को मानव मंगल मिलन सद्भावना समिति जिला एवं संभाग ग्वालियर कमेटी के द्वारा 50000 / अक्षरे पचास हजार की सहायता राशि भेंट करने के मौके पर रामसेवक सुमन (अध्यक्ष) चंद्रशेखर प्रतापसिंह (एडवोकेट हाई कोर्ट ग्वालियर) लक्ष्मण सिंह, जगमोहन, रामकिशन सोलंकी, मुन्नालाल जयंत आदि कमेटी के कार्यकर्ता मौजूद रहे' और सदैव ग्वालियर कमेटी शोकाकुल परिवार के सुख और दुःख में हमेशा साथ रहेगी।

राजकोट में सड़क हादसा, तीन लोगों की मौत

राजकोट/एजेंसी। गुजरात के राजकोट में तड़के एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जिले के गोंडल इलाके में एक हाईवे पर बोलेरो और स्विफ्ट कारों के बीच टक्कर हो गई जिसमें दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि एक शख्स की अस्पताल जाते समय मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय दोनों कारें आमने सामने से आ रही थीं। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों कारों के टकराने की आवाज लोगों ने दूर तक सुनी। टक्कर के बाद दोनों ही कारें इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय का निर्देश

सभी सरकारी अस्पतालों में किए जाएं सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नई दिल्ली/एजेंसी।

केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना के मद्देनजर एम्स सहित सभी केंद्रीय अस्पतालों को पत्र लिखा है। सभी अस्पतालों को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र में कहा गया है कि चिकित्साकर्मियों के साथ अपराध मंजूर नहीं है।

पत्र में यह भी कहा गया कि निजी अस्पतालों की तुलना में सरकारी अस्पताल मरीजों के लिए सुलभ होते हैं। इसी वजह से निजी अस्पतालों में आपराधिक कृत्य अधिक होते हैं। ऐसे में यहां सुरक्षा के उचित बंदोबस्त करना अस्पताल का दायित्व बनता है। इसमें लिखा है कि जिस तरह से पिछले कुछ दिनों से चिकित्सकर्मियों के साथ हिंसक व आपराधिक कृत्य की खबरें प्रकाश में आ रही हैं, उससे स्पष्ट है कि मौजूदा सुरक्षा-व्यवस्था अपर्याप्त है।

पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि अस्पताल के प्रवेश व निकासी द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि आने-जाने वाले सभी लोगों की गतिविधियों को कैमरों में कैद किया जा सके। अगर कोई अप्रिय घटना कैद होती है, तो अपराधी को तुरंत पकडने में मदद मिले।

चिी के मुताबिक अस्पताल में निकासी और प्रवेश द्वार साथ ही सभी संवेदनशील परिसरों में भी कैमरे लगाए जाएं। इसके अलावा परिसर में सभी

प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त संख्या में तैनात किया जाए, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति पर समय रहते काबू पाया जा सके।

साथ ही कहा गया है कि मरीजों के साथ दो ज्यादा तीमारदार को अस्पताल में प्रवेश करने की इजाजत न दी जाए। वहीं, अगर कभी इस बात का पता चले कि कोई मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति अस्पताल में है और अंदेशा हो कि वो किसी को नुकसान पहुंचा सकता है, तो उसे तत्काल बाहर किया जाए।

खत में उचित प्रशिक्षण के भी निर्देश हैं। इसमें सलाह दी गई है कि अस्पताल में तैनात सुरक्षाकर्मियों को समय-समय पर उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, ताकि अगर कभी ऐसी स्थिति पैदा हो, तो उस पर आसानी से काबू किया जा सके। वहीं, अस्पताल में कार्यरत सभी चिकित्सकर्मियों को भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, ताकि कार्यस्थल में रहते हुए अगर उन्हें निकट भविष्य मे ऐसी विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ें, तो वे किसी दूसरे पर आश्रित होने के बजाय खुद ही इसका डट कर मुकाबला करने में सक्षम हों।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर से हुए दुष्कर्म को लेकर देशभर में आक्रोश है। विभिन्न राज्यों मे चिकित्सकर्मी हड़ताल पर हैं। इससे अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों को दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। कई मरीजों के ऑपरेशन व सर्जरी की तारीख भी टल गई है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों का दो टूक कहना है कि जब तक इस वीभत्स घटना में संलिप्त आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा नहीं दे दी जाती है, तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

उधर, इस घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिल रही हैं। विपक्षी दल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। पीड़िता के पिता का आरोप है कि मुख्यमंत्री घटना को लेकर आक्रोशित लोगों को दबाने का प्रयास कर रही हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट का निर्देश

राहुल गांधी नागरिकता मामले की सुनवाई जनहित याचिका की तरह होगी

नईदिल्ली/एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को राहुल गांधी की नागरिकता के मामले की सुनवाई जनहित याचिका के रूप में करने का निर्णय लिया। उन्होंने याचिका को रोस्टर पीठ के समक्ष भेजा है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने निर्देश दिया कि सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका को रोस्टर पीठ के समक्ष जनहित याचिका के रूप में सूचीबद्ध किया जाए।कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि उन्होंने मामले के गुण और दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने याचिका पर सुनवाई के दौरान पाया कि स्वामी इस मामले में कोई लागू करने योग्य संवैधानिक अधिकार प्रदर्शित करने में विफल रहे।कोर्ट ने स्वामी के इस रुख पर गौर किया कि मामले में जनहित शामिल है और कहा कि याचिका पर जनहित याचिकाओं से निपटने वाली रोस्टर पीठ द्वारा सुनवाई की जाएगी।इसलिए, कोर्ट ने मामले को रोस्टर पीठ (कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता में) को स्थानांतरित कर दिया है।

स्वामी ने याचिका दायर करते हुए कोर्ट से केंद्र सरकार को राहुल गांधी के खिलाफ अपनी शिकायत पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देने की मांग की है।स्वामी ने मामले में केंद्र सरकार को निर्देश देने के लिए इसलिए कहा है क्योंकि गृह मंत्रालय ने 20 अप्रैल, 2019 को राहुल को नागरिकता के संबंध में शिकायत विषय पर नोटिस भेजा था।स्वामी का आरोप है कि राहुल ब्रिटेन की बैकऑप्स लिमिटेड कंपनी में राहुल निदेशक और सचिव थे।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव

पहले चरण के चुनाव के लिए आज जारी होगी अधिसूचना 27 अगस्त तक कर सकेंगे नामांकन

नईदिल्ली/एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर में अगले महीने 10 साल बाद विधानसभा चुनाव होने हैं. तीन चरणों में होने वाले इस चुनाव के पहले चरण के लिए आज यानी मंगलवार (20 अगस्त) को अधिसूचना जारी की जाएगी. इसी के साथ पहले चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. उम्मीदवार 27 अगस्त तक अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे. चुनाव आयोग आज ही राज्य के मतदाताओं की फाइनल सूची भी जारी करेगा.

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव होगा. पहले चरण के लिए 18 सितंबर को मतदान होगा. जबकि दूसरे चरण के लिए 25 सितंबर को वोट डाले जाएंगे जबकि तीसरे और आखिरी चरण के लिए मतदान 1 अक्टूबर होगा. वहीं 4 अक्टूबर को वोटों की गिनती होगी और उसी दिन चुनाव के नतीजे भी जारी कर दिए जाएंगे.

पहले चरण में सात जिलों की कुल 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होगा. जिसके लिए आज अधिसूचना जारी की जाएगी. उम्मीदवार इस चरण के लिए 27 अगस्तर तक आवेदन कर सकेंगे. 28 तारीख को नामांकन पत्रों की जांच होगी. जबकि 30 अगस्त को उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे. इसी के साथ केंद्र ने इन इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती भी शुरू कर दी है.

जम्मू-कश्मीर में पहले चरण के लिए 18 सितंबर को मतदान होगा. पहले चरण में केंद्र शासित राज्य की 24 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे. जिन सीटों पर 18 सितंबर को वोटिंग होगी उनमें बिजबेहड़ा, अनंतनाग, अनंतनाग पश्चिम, शांगस, शोपियां, पहलगाम, जैनपोरा, पांपोर, डोरू, राजपोरा, त्राल, कोकरनाग, डीएच पोरा, देवसर, कुलगाम, रामबन, बनिहाल, किश्तवाड़, इंदरबल, पाडर, डोडा, भद्रवाह, डोडा पश्चिम सीट शामिल है.

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929